दैनिक
कारखाने का सफर

वर्ष 6, अंक 261 भोपाल, मंगलवार 3 मार्च, 2026 फाल्गुन शुक्ल पक्ष,पूर्णिमा, 2082 मूल्य 2 रुपए

गायत्री परिवार ने समरसता, प्रेम, सौहाद्र और भाईचारे के साथ पर्व मनाने का दिया संदेश

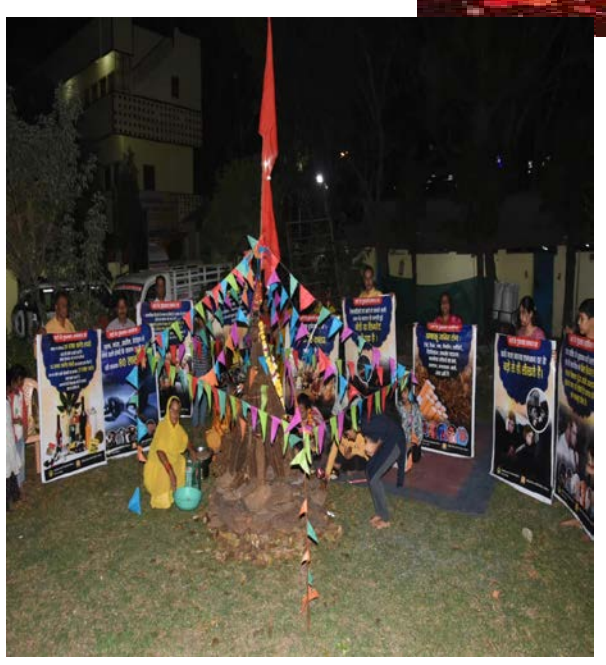

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

गायत्री शक्तिपीठ भोपाल पर सोमवार शाम को होलिका दहन किया गया जिसमें पर्व संदेश के रूप में व्यसन फैशन अश्लीलता का निवारण का त्याग करने का संकल्प लिया एवं समरसता,प्रेम ,सौहाद्र प्राकृतिक रंगो आपसी भाईचारे के साथ पर्व मनाने का संदेश दिया गया।

बीएमआई की रिपोर्ट में चेतावनी, निवेश और डीजीपी पर बड़ा खतरा

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

फिच ग्रुप की इकाई बीएमआई ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष जारी रहने से भारत में निवेश प्रभावित हो सकता है और इससे यूरोपीय संघ (ईयू) एवं अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौतों का जीडीपी पर पड़ने वाला सकारात्मक प्रभाव कम हो सकता है। बीएमआई ने अपनी 'इंडिया आउटलुक' रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए आर्थिक वृद्धि का अनुमान सात प्रतिशत पर बरकरार रखा है। हालांकि उसने भू-राजनीतिक जोखिमों का जिक्र करते हुए कहा कि वह स्थिति का आकलन कर रही है ताकि भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) पर इसके संभावित प्रभाव को मापा जा सके।

रिपोर्ट कहती है, "मार्च से अनिश्चितता में तेज बढ़ोतरी होने की आशंका है। हमें लगता है कि इससे भारत में निवेश हतोत्साहित होगा, जिससे ईयू और अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौतों का सकारात्मक प्रभाव आंशिक रूप से कम हो सकता है।" अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को ईरान पर सैन्य हमले किए, जिसके जवाब में ईरान ने भी इजराइल और खाड़ी क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ड्रोन एवं मिसाइलें दागीं। इसके बाद ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों को चेतावनी दी। यह संकरा समुद्री मार्ग फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है और वैश्विक तेल एवं गैस आपूर्ति का प्रमुख रास्ता है। शोध एवं विश्लेषण फर्म बीएमआई ने कहा कि यदि होर्मुज जलडमरूमध्य पूरी तरह बंद हो जाता है, तो तेल एवं गैस कीमतों में वृद्धि के कारण भारत की जीडीपी पर 0.5 प्रतिशत अंक तक का प्रत्यक्ष नकारात्मक असर देखने को मिल सकता है।

समाचार संपादक की कलम से
–राहुल कौशिक

5 मार्च 2020 का ट्वीट बताता है- भारत के प्रति ईरान नेतृत्व की सोच कैसी थी

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

सोशल मीडिया पर इन दिनों ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का एक पुराना ट्वीट फिर चर्चा में है। यह ट्वीट 5 मार्च 2020 को पोस्ट किया गया था और उस समय दिल्ली में हुई हिंसा के संदर्भ में लिखा गया था। लेकिन इस बयान की भाषा और शब्दों ने उस समय भारत में गंभीर प्रतिक्रिया पैदा की थी और आज भी यह सवाल उठता है कि उस वक्त ईरान नेतृत्व की भारत के प्रति सोच क्या थी।

रिपोर्टों के अनुसार खामेनेई ने अपने ट्वीट में कहा था कि दुनिया भर के मुसलमान भारत में मुसलमानों के "नरसंहार" से दुखी हैं और भारत सरकार को "चरमपंथी हिंदुओं और उनकी पार्टियों का सामना करना चाहिए" ताकि भारत इस्लामी दुनिया से अलग-थलग न हो। उन्होंने #IndianMuslimsInDanger हैशटैग का भी इस्तेमाल किया था और यह संदेश कई भाषाओं में पोस्ट किया गया था, जिससे साफ था कि यह वैश्विक स्तर पर प्रसारित करने के उद्देश्य से लिखा गया था।

अंतरराष्ट्रीय राजनीति में जब किसी देश का सर्वोच्च नेता दूसरे देश के आंतरिक मामलों पर सार्वजनिक टिप्पणी करता है, तो उसे केवल व्यक्तिगत राय नहीं माना जाता, बल्कि उस देश की आधिकारिक सोच और दृष्टिकोण का संकेत माना जाता है। इस ट्वीट में इस्तेमाल शब्दावली — जैसे "नरसंहार" और "चरमपंथी" — अत्यंत कठोर और आरोपात्मक थी, जिसे भारत में कई लोगों ने अनुचित और एकतरफा बताया। भारत सरकार ने उस समय इस बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। रिपोर्टों के अनुसार भारत ने ईरान के राजदूत को तलब कर इस टिप्पणी पर औपचारिक विरोध दर्ज कराया और इसे गलत जानकारी पर आधारित बताया। यह कदम इस बात का संकेत था कि भारत ने इस बयान को गंभीरता से लिया और अपनी संप्रभुता से जुड़े मुद्दे पर स्पष्ट रुख अपनाया।

यह घटना एक महत्वपूर्ण तथ्य भी उजागर करती है — अंतरराष्ट्रीय संबंध भावनाओं या नारों से नहीं चलते, बल्कि राष्ट्रीय हितों से संचालित होते हैं। कई बार देश व्यापारिक साझेदार होते हुए भी एक-दूसरे की नीतियों की आलोचना करते हैं। भारत और ईरान के बीच भी वर्षों से व्यापारिक संबंध रहे हैं, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि दोनों देश हर मुद्दे पर एक-दूसरे का समर्थन करते हों। विश्लेषकों के अनुसार किसी भी देश के बारे में सार्वजनिक मंच से कठोर भाषा में टिप्पणी करना उस देश के प्रति पहले से बनी धारणा को दर्शाता है। खामेनेई के उस बयान ने यह संकेत दिया कि उस समय ईरान नेतृत्व भारत की स्थिति को बेहद आलोचनात्मक दृष्टिकोण से देख रहा था। इसीलिए भारत में इसे कूटनीतिक मर्यादा के विपरीत माना गया। आज जब यह ट्वीट फिर वायरल हो रहा है, तो यह उन लोगों के लिए भी एक आईना है जो बिना पूरा संदर्भ समझे भारत सरकार को सलाह या आलोचना देने लगते हैं। किसी भी देश की विदेश नीति और रणनीतिक निर्णय सतही प्रतिक्रियाओं पर नहीं बल्कि गहन विश्लेषण, सुरक्षा आकलन और राष्ट्रीय हितों के आधार पर लिए जाते हैं। इसलिए सरकार के निर्णयों को समझे बिना टिप्पणी करना अक्सर अधूरी जानकारी पर आधारित होता है।

निष्कर्षतः, 5 मार्च 2020 का वह ट्वीट केवल एक साधारण पोस्ट नहीं था, बल्कि उस समय ईरान नेतृत्व की भारत के प्रति धारणा का संकेत था। भारत ने इसका आधिकारिक विरोध किया और स्पष्ट संदेश दिया कि देश अपनी संप्रभुता और सम्मान से जुड़े मुद्दों पर समझौता नहीं करता।

यह घटना हमें यह भी याद दिलाती है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में स्थायी मित्र या स्थायी विरोधी नहीं होते — केवल स्थायी हित होते हैं। इसलिए किसी भी वायरल बयान पर प्रतिक्रिया देने से पहले तथ्य, तारीख और संदर्भ को समझना आवश्यक है।

दुबई और कुवेत का विनाश में भी पक्का!

ईरानी सेना ने रियाद दूतावास पर ड्रोन स्ट्राइक की, अमेरिका की जड़े काट रहा ईरान |

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

मध्य पूर्व (Middle East) में तनाव अपने चरम पर पहुँच गया है। ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने मंगलवार को दावा किया कि उनकी नौसेना ने संयुक्त अरब अमीरात के दुबई और कुवैत में अमेरिकी सैन्य बलों पर "मिसाइलों और ड्रोनों से जटिल हमला" किया है। यह हमला अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए जा रहे लगातार हवाई हमलों के जवाब में किया गया है। IRGC के बयान के अनुसार, दुबई में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया गया है। वहीं, कुवैत में स्थित आरिफजान बेस (Arifjan Base) पर भी ड्रोन से हमला करने का दावा किया गया है।

कुवैत में अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने पुष्टि की है कि आरिफजान बेस पर हुए हमले में 3 अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गई है।

संघर्ष की अफरा-तफरी के बीच कुवैती एयर डिफेंस ने गलती से तीन अमेरिकी F-15E स्ट्राइक ईगल विमानों को मार गिराया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया कि विमानों के सभी छह पायलट सुरक्षित रूप से बाहर निकलने में सफल रहे।

US अधिकारियों ने सऊदी अरब के कई शहरों में अमेरिकियों से रियाद में देश के दूतावास पर दो ड्रोन हमले के बाद शेल्टर इन प्लेस करने और वहां से बचने की अपील की। दूतावास ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, "सऊदी अरब में अमेरिकी मिशन ने जेद्दा, रियाद और धाहरन के लिए शेल्टर इन प्लेस अधिसूचना जारी की है और क्षेत्र में किसी भी सैन्य प्रतिष्ठानों की गैर-जरूरी यात्रा को सीमित कर रहे हैं - हम राज्य में अमेरिकी नागरिकों को सलाह देते हैं कि वे तुरंत आश्रय लें और सुविधा पर हमले के कारण अगली सूचना तक दूतावास से बचें।"

यह विकास ऐसे समय में हुआ है जब इज़राइल और संयुक्त राज्य अमेरिका ने ईरान पर एक बढ़ते अभियान में हमला किया है, जिसके बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को कहा था कि इसमें कई सप्ताह लग सकते हैं। तेहरान और उसके सहयोगियों ने पूरे क्षेत्र में जवाबी हमला किया, इज़राइल और खाड़ी राज्यों के अंदर विभिन्न लक्ष्यों पर हमला किया, जिसमें कतर में ऊर्जा सुविधाएं और सऊदी अरब में अमेरिकी दूतावास शामिल हैं।

हमलों की तीव्रता, ईरानी सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या और किसी भी स्पष्ट निकास योजना की कमी ने दूरगामी परिणामों के साथ लंबे संघर्ष के लिए मंच तैयार किया। एनर्जी की कीमतें बढ़ गईं; और US के साथियों ने ईरानी मिसाइलों और ड्रोन को रोकने में मदद करने का वादा किया।

सऊदी अरब ने मंगलवार सुबह कहा कि रियाद में US एम्बेसी पर दो ड्रोन से हमला हुआ, जिससे "थोड़ी आग" लगी और मामूली नुकसान हुआ।

एम्बेसी के पड़ोस में रहने वाले एक डिप्लोमैटिक क्वार्टर में रहने वाले ने सिक्योरिटी की वजह से नाम न बताने की शर्त पर बताया कि एम्बेसी से हल्का धुआं निकल रहा था।

सोमवार को, कुवैत में US एम्बेसी कंपाउंड पर हमला हुआ। झगड़े के कम होने का कोई संकेत न होने पर, ट्रंप ने कहा कि ऑपरेशन चार से पांच हफ़्ते तक चलने की संभावना है, लेकिन वह "इससे कहीं ज़्यादा समय तक चलने के लिए तैयार हैं।" बढ़ती हिंसा की संभावना पर चिंता जताते हुए, स्टेट डिपार्टमेंट ने सोमवार को US नागरिकों से सेफ्टी रिस्क के कारण एक दर्जन से ज़्यादा मिडिल ईस्ट देशों को छोड़ने की अपील की।

सेक्रेटरी ऑफ़ स्टेट मार्को रुबियो ने रिपोर्टर्स से कहा, "US मिलिट्री से सबसे ज़्यादा नुकसान अभी होना बाकी है।" "अगला फेज़ ईरान के लिए अभी से भी ज़्यादा सज़ा देने वाला होगा।"

ट्रंप ने कहा कि मिलिट्री कैंपेन का मकसद ईरान की मिसाइल कैपेबिलिटी को खत्म करना, उसकी नेवी को खत्म करना, उसे न्यूक्लियर वेपन हासिल करने से रोकना और यह पक्का करना है कि वह लेबनान के हिज़बुल्लाह जैसे साथी ग्रुप्स को सपोर्ट करना जारी न रख सके, जिसने सोमवार को इज़राइल पर मिसाइलें दागीं।

लड़ाई की अफरा-तफरी तब साफ हो गई जब US मिलिट्री ने कहा कि कुवैत ने "गलती से" तीन अमेरिकन F-15E स्ट्राइक ईगल्स को मार गिराया था, जबकि ईरान एयरक्राफ्ट, बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से हमला कर रहा था। US सेंट्रल कमांड ने कहा कि सभी छह पायलट सुरक्षित निकल गए।

आसमान में बारूद की आहट! उड़ान भरते ही वापस मुड़े यात्री विमान

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

ईरान-US संघर्ष के चौथे दिन भी एयरस्पेस में बड़े पैमाने पर रुकावटें बनी रहीं, फिर भी मिडिल ईस्ट और भारत के कुछ हिस्सों के बीच लिमिटेड फ़्लाइट ऑपरेशन मंगलवार को फिर से शुरू हो गए। कुछ राहत और शेड्यूल्ड सर्विस सीमित हालात में चलने लगीं, जिससे फंसे हुए यात्रियों को थोड़ी राहत मिली। हालांकि, लिमिटेड ऑपरेशन फिर से शुरू होने के तुरंत बाद, भारत से दुबई जाने वाली एमिरेट्स की तीन फ़्लाइट्स – दिल्ली, चेन्नई और बेंगलुरु से – को रीजनल एयरस्पेस पर जारी पाबंदियों के कारण टेक-ऑफ़ के तुरंत बाद अपने ओरिजिनल एयरपोर्ट पर लौटना पड़ा।

मुंबई से एक सर्विस हवा में ही पलटने के बाद अपनी यात्रा पूरी करने और दुबई में लैंड करने में कामयाब रही। इसके अलावा, कई ग्लोबल डेस्टिनेशन से रियाद जाने वाली कई इंटरनेशनल फ़्लाइट्स के सिक्योरिटी अलर्ट और इलाके में ड्रोन से जुड़े खतरों की खबरों के बीच वापस लौटने की खबर है।

इस अनिश्चितता के बीच, भारतीय कैरियर्स ने राहत के उपाय शुरू किए। इंडिगो ने फंसे हुए यात्रियों की वापसी को आसान बनाने के लिए 3 मार्च, 2026 को जेद्दा से भारत के लिए 10 स्पेशल फ़्लाइट्स शेड्यूल की हैं, जो रेगुलेटरी अप्रूवल और मौजूदा एयरस्पेस कंडीशन के अधीन हैं।

इनमें से चार फ़्लाइट्स के लिए क्लियरेंस मिल गया है, जो जेद्दा से मुंबई, हैदराबाद और अहमदाबाद के लिए चलेंगी। एयरलाइन ने कहा कि ये सर्विस उन यात्रियों के लिए हैं जिन्होंने पहले इंडिगो फ़्लाइट्स में बुकिंग की थी, लेकिन लड़ाई बढ़ने के कारण यात्रा नहीं कर पाए। इंडिगो ने कहा कि वह यात्रियों की सुविधा को आसान बनाने के लिए जेद्दा में भारत के कॉन्सुलेट जनरल के साथ कोऑर्डिनेट कर रही है।

भारत और गल्फ़ रीजन के बीच ऑपरेट करने वाली विदेशी एयरलाइन्स ने भी लिमिटेड सर्विस फिर से शुरू कर दी हैं, हालांकि ऑपरेशन बदलते एयरस्पेस प्रतिबंधों और चल रहे सिक्योरिटी असेसमेंट पर निर्भर हैं।

अकासा एयर ने कहा कि वह 3 और 4 मार्च को एक पूरी सेफ्टी रिव्यू के बाद जेद्दा के लिए कुछ खास सर्विस चलाएगी, जबकि उसके कई दूसरे मिडिल ईस्ट रूट अभी भी सस्पेंड हैं।

3 मार्च को, एयरलाइन मुंबई-जेद्दा-मुंबई सेक्टर पर सर्विस ऑपरेट करेगी। 4 मार्च को, वही मुंबई-जेद्दा-मुंबई रोटेशन ऑपरेट होंगे। इसके अलावा, अकासा एयर उसी दिन अहमदाबाद और जेद्दा के बीच रिटर्न सर्विस चलाएगी।

एयरलाइन ने कहा कि इन फ्लाइट्स का ऑपरेशन उसके मौजूदा सेफ्टी असेसमेंट पर आधारित है और मौजूदा हालात पर निर्भर है।

हालांकि, अकासा एयर की अबू धाबी, दोहा, कुवैत और रियाद आने-जाने वाली फ्लाइट्स 4 मार्च, 2026 तक सस्पेंड रहेंगी। कैरियर ने कहा कि वह मिडिल ईस्ट में बदलते हालात पर करीब से नज़र रख रहा है और अपने इंटरनेशनल नेटवर्क पर ऑपरेशनल हालात का असेसमेंट कर रहा है।

दैनिक कारखाने का सफर अखबार का संपादकीय कार्यालय

गोबिंद टॉवर, क्वालिटी रेस्टोरेंट के पास, एसबी स्टूडियों के ऊपर पिपलानी पेट्रोल पंप के पास, सोनागिरी चौराहा रायसेन रोड भेल भोपाल। मोबाइल नंबर: 9826035849, 9425006706

महाकाल को गुलाल लगाकर होली पर्व शुरू:इंदौर के राजवाड़ा पर उमड़े लोग; सागर में जली मोबाइल वाली वायरल बुआ

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

मध्य प्रदेश में होलिका पर्व शुरू हो गया है। सबसे पहले भगवान महाकाल को गुलाल लगाया गया। इसके बाद प्रदेश भर में होलिका दहन शुरू हुआ। यह सिलसिला देर रात तक चलता रहा। इंदौर के राजवाड़ा में हुए होलिका दहन कार्यक्रम में लोगों की भीड़ उमड़ी। भोपाल में 1500 से अधिक स्थानों पर होलिका दहन किया गया। वहीं, सागर के देवरी में मोबाइल वाली वायरल बुआ का दहन किया गया। इधर, भोपाल में 4 मार्च के होली का जुलूस निकलेगा। दयानंद चौक, जुमेराती, करोद, कोलार, संत नगर और भेल क्षेत्र सहित विभिन्न स्थानों पर रंग-गुलाल के कार्यक्रम आयोजित होंगे। हिंदू उत्सव समिति द्वारा दयानंद चौक से पारंपरिक होली चल समारोह निकाला जाएगा, जिसमें राधा-कृष्ण और भोलेनाथ की आकर्षक झांकियां शामिल होंगी।

एमपी में होलिका दहन से जुड़ी तस्वीरें-
इंदौर में 11 चेहरे वाली होलिका का दहन किया गया।
इंदौर के राजवाड़ा में होलिका दहन।
भगवान महाकाल को सबसे पहले गुलाल लगाया गया।
महाकाल मंदिर परिसर में होलिका दहन किया गया।
राजवाड़ा पर होलिका दहन के दौरान उमड़े लोग।

धुलेंडी पर विशेष श्रृंगार और भस्म आरती-
महाकाल मंदिर में धुलेंडी का पर्व मंगलवार को ही मनाया जाएगा। इस दौरान तड़के सुबह 4 बजे होने वाली भस्म आरती में सबसे पहले भगवान महाकाल को गुलाल लगाया जाएगा। इसके बाद भगवान का भांग और चंदन से विशेष श्रृंगार किया जाएगा।

ग्रहण के दौरान विशेष नियम-
ग्रहण के सूतक काल में मंदिर के पट खुले रहेंगे, लेकिन नियमित भोग नहीं लगाया जाएगा। भगवान को केवल शक्कर का भोग अर्पित किया जाएगा। ग्रहण खत्म होने के बाद मंदिर की शुद्धि कर पूजा-अर्चना और आरती की जाएगी।

होली का हुड़दंग

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

फागुन का माह है व दिल में यो चाह है कि
हम सब मिल ऐसी प्रीत को निभाएंगे
बैर, भाव मन के मिटा के आज हम सब
प्रेम भरे दीप हर दिल में जलाएंगे
रंग भी लगाएंगे, गुलाल भी उड़ाएंगे
और टोलियाँ बना के फाग गीत सब गाएंगे
सूखी होली खेलकर सारे देशवासियों को
जल को बचाने का संदेश भी दिलाएंगे

होली के त्यौहार में तो रंगों की बौछार और
मदमस्त करने वाली भंग होना चाहिए
मस्ती होना चाहिए, उमंग होना चाहिए और
होली है तो होली में हुड़दंग होना चाहिए
जितना छुटाए और उतना ही ज्यादा लगे
ऐसा कोई जादुई सा रंग होना चाहिए
प्रेम पिचकारी खुशी का गुलाल चाहते तो
जीवन में अपनों का संग होना चाहिए।

अंग-अंग में हो रंग श्याम राधा संग-संग
रंग में रंगी राधा की चोली होना चाहिए
रोली होना चाहिए हमजोली होना चाहिए
खुशियों के रंग वाली झोली होना चाहिए
मस्तानी टोली, हँसी ठिठोली तो होती ही है
लेकिन एक सूरत भी भोली होना चाहिए
रंग मैं लगाऊँ जब थोड़ा शरमाए तब
ऐसे मीत प्रीत वाली होली होना चाहिए।

- दिनेश गुप्ता मकरंद सतना - (मध्यप्रदेश)

मप्र आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा के 12 टॉपरों पर एफआईआर

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

मप्र कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) द्वारा आयोजित आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा-2024 में बड़े स्तर पर गड़बड़ी का खुलासा हुआ है। मंडल ने 12 अभ्यर्थियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। ये सभी अभ्यर्थी रतलाम स्थित 'रतलाम पब्लिक स्कूल' परीक्षा केंद्र पर परीक्षा देने पहुंचे थे, जिसे इस परीक्षा के लिए पहली बार केंद्र बनाया गया था। जांच में सामने आया कि इन अभ्यर्थियों ने कंप्यूटर आधारित परीक्षा में असामान्य रूप से तेज गति दिखाई। दो घंटे की परीक्षा में किसी ने 15 तो किसी ने 30 मिनट में ही 100 प्रश्न हल कर दिए और शेष समय बिना किसी गतिविधि के बैठे रहे।

मंडल ने 5 फरवरी को परिणाम जारी करने से पहले उच्च पर्सेंटाइल प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों के डेटा की जांच की। जांच में पाया गया कि ये सभी 12 अभ्यर्थी पहले पुलिस भर्ती और अन्य परीक्षाओं में शामिल हो चुके थे, लेकिन तब इनके अंक 50 से भी कम थे। वहीं, इस परीक्षा में अचानक 90 से अधिक अंक प्राप्त कर 100 पर्सेंटाइल हासिल कर लिया।

सीसीटीवी फुटेज और परीक्षा लॉग डेटा की जांच में यह भी सामने आया कि इन अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर किसी एक व्यक्ति की मदद मिली थी। खास बात यह है कि ये सभी अभ्यर्थी अलग-अलग तारीखों और शिफ्ट में परीक्षा देने पहुंचे थे, लेकिन उनका परीक्षा केंद्र एक ही था और मदद करने वाला भी एक ही व्यक्ति बताया जा रहा है। जांच में यह भी पाया गया कि इन अभ्यर्थियों ने परीक्षा के दौरान न तो रफ वर्क किया और न ही कंप्यूटर स्क्रीन पर सामान्य गतिविधि दिखाई। अधिकांश समय वे बिना किसी हलचल के बैठे रहे और निर्धारित समय में केवल उत्तर विकल्पों को चुनते रहे। मंडल के अनुसार यह स्पष्ट रूप से सुनियोजित तरीके से की गई नकल या बाहरी मदद की ओर संकेत करता है। इससे पूरे मामले में संगठित गिरोह की आशंका जताई जा रही है।

किसने एग्जाम में क्या किया-
आशुतोषः महज 15 मिनट में पूरे 100 प्रश्न देख लिए। आखिरी 30 मिनट में सब हल कर दिए।
विवेकः 15 मिनट में प्रश्न देखे और अगले 30 मिनट में हल कर दिए (कुल 45 मिनट)।
कुलदीप 15 मिनट में सारे सवाल पढ़े और अंतिम 30 मिनट में टिक कर दिए।
अनिल पहले 15 मिनट स्क्रीन ही नहीं छुई, फिर अगले 30 मिनट में सवाल देखे और हल किए।
सुभाष 30 मिनट सवाल देखने और 30 मिनट हल करने में लगाए।
रवि सुभाष की तरह ही 30 मिनट सवाल देखे और 30 मिनट में हल कर दिए।
दयाशंकर 30 मिनट में 100 सवाल पढ़े और महज 15 मिनट में सारे हल कर दिए।
शैलेंद्रः शुरुआत के 15 मिनट कोई हलचल नहीं, फिर 30 मिनट सवाल देखे और आखिरी 15 मिनट में 100 सवाल सॉल्व।
अंकितः 30 मिनट सवाल देखने और 30 मिनट में उन्हें हल करने का पैटर्न अपनाया।
संजीत, अंकितः एक ही पैटर्न (30 मिनट देखना + 30 मिनट हल करना)।
पुष्पेंद्रः इन्होंने भी 30 मिनट सवाल देखने और 30 मिनट में हल करने का तरीका चुना।
आशुः बाकी 3 की तरह 30 मिनट सवाल देखे और अगले 30 मिनट में सब हल कर दिए।

5 फरवरी को हुई थी परीक्षा- ईएसबी ने यह परीक्षा 9 सितंबर से 21 सितंबर 2025 के बीच भोपाल, इंदौर, रतलाम सहित 11 शहरों में आयोजित की थी। भर्ती के लिए 2,40,010 अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र जारी किए गए थे, जिनमें से 1,10,032 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए थे।

आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा-2024 में बड़ी जालसाजी का भंडाफोड़, सुपर कम्प्यूटर' से तेज 12 अभ्यर्थी

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

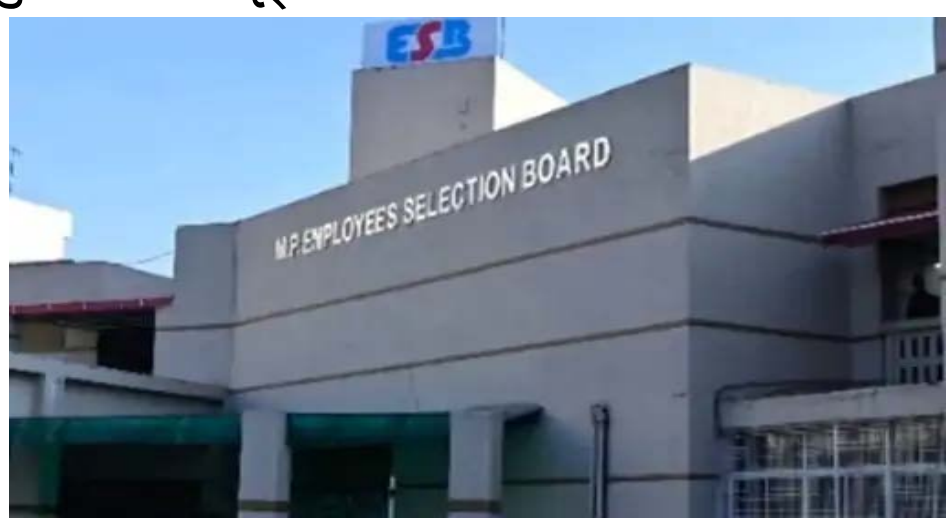

मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) की आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा-2024 में बड़ी जालसाजी का भंडाफोड़ हुआ है। मंडल ने 12 अभ्यर्थियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। इन सभी ने "रतलाम पब्लिक स्कूल' सेंटर पर परीक्षा दी थी, जिसे मंडल ने पहली बार सेंटर बनाया था। पकड़े गए अभ्यर्थियों ने कम्प्यूटर पर ऐसी 'जादुई' रफ्तार दिखाई कि खुद अधिकारी दंग रह गए। 2 घंटे की परीक्षा में किसी ने 15 तो किसी ने 30 मिनट में 100 सवाल हल कर दिए और बाकी समय डेस्क पर खाली बैठे रहे।

ऐसे पकड़ा गया खेलः 5 फरवरी को रिजल्ट जारी होने से पहले मंडल ने हाई पर्सेंटाइल वाले टॉपर्स का डेटा चेक किया। पता चला कि ये 12 अभ्यर्थी पहले पुलिस भर्ती और अन्य परीक्षाओं में भी बैठे थे, लेकिन तब इनके 50 अंक भी नहीं आए थे। आबकारी भर्ती में अचानक इन्होंने 90 से ज्यादा अंक (100 पर्सेंटाइल) हासिल कर लिए। सीसीटीवी और एग्जामिनेशन डेस्क के डेटा से साफ हुआ कि इन्हें केंद्र पर किसी एक व्यक्ति ने मदद की है। हैरत की बात है कि ये 12 लोग एक ही दिन नहीं, बल्कि अलग-अलग तारीखों और अलग-अलग शिफ्ट में परीक्षा दे रहे थे। इसके बावजूद सबका मददगार एक ही व्यक्ति था और सबका सेंटर एक ही था। यह 'ऑर्गेनाइज्ड क्राइम' की ओर इशारा करता है।

बता दें कि ईएसबी ने परीक्षा 9 सितंबर 2025 से 21 सितंबर 2025 के बीच भोपाल, इंदौर, रतलाम सहित 11 शहरों में आयोजित की थी। भर्ती के लिए 2,40,010 अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र जारी किए गए थे। इनमें से 1,10,032 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। शेष अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। रिजल्ट 5 फरवरी को जारी किया गया। मंडल ने पहली बार 'रतलाम पब्लिक स्कूल' को परीक्षा केंद्र बनाया और पहले ही प्रयास में वहां से 12 'सस्पेक्टेड टॉपर' निकल आए। सीसीटीवी फुटेज से पुष्टि हुई है कि इन सभी को एक ही बाहरी व्यक्ति द्वारा गाइड किया जा रहा था। मंडल अब इस बात की जांच कर रहा है कि इस स्कूल को सेंटर बनाने की सिफारिश किसने की थी और इसके पीछे कौन सा 'सिंडिकेट' सक्रिय है। ईएसबी का कहना है कि अब मंडल फाइनल रिजल्ट घोषित करने से पहले हाई पर्सेंटाइल अभ्यर्थियों की गतिविधियों का परीक्षण करने लगा है। इसी प्रक्रिया के तहत इन 12 अभ्यर्थियों के खिलाफ रिजल्ट घोषित होने से पहले नकल प्रकरण दर्ज किया गया था, और उसके बाद एफआईआर कराई गई।

होली पर भोपाल से लखनऊ का किराया 8,899, सतना जाने के लिए लग रहे 4500

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

प्रदेश में होली के त्योहार के चलते बड़ी संख्या में लोग यात्रा कर रहे हैं। इसका फायदा उठाकर बस ऑपरेटर्स यात्रियों से मनमाना किराया वसूल रहे हैं। ऑनलाइन बस बुकिंग ऐप्स पर भोपाल से लखनऊ के लिए किराया 8,899 रुपए तक है। यह सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना अधिक है। त्योहार के समय घर पहुंचने की मजबूरी में यात्रियों के पास सीमित विकल्प होते हैं। इसी का फायदा उठाते हुए किराए में भारी बढ़ोतरी कर दी गई है। आमतौर पर भोपाल से सतना का सामान्य किराया 1,000 से 1,200 रुपए के बीच रहता है, लेकिन अब रेड बस के ऐप पर किराया 4,500 रुपए है, यानी चार गुना तक किराया बढ़ा दिया गया है।

इसी तरह भोपाल से रीवा जाने वाली सुनील टूर एंड ट्रैवल्स की बस में अधिकतम किराया 6,000 रुपए तक है। देव हाई स्पीड ट्रैवल्स में 4,500 रुपए और अंजुमन ट्रैवल्स में 5,000 रुपए तक किराया वसूला जा रहा है, जबकि सामान्य दिनों में यही सफर 900 से 1,200 रुपए में पूरा हो जाता है।

खास बात यह है कि एक दिन पहले ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पुलिस अफसरों को किराये की अवैध वसूली रोकने के आदेश दिए थे। भोपाल से मुंबई के लिए रतन टूर एंड ट्रैवल्स 6006 रुपए तक किराया ले रहा है, जबकि आम दिनों में यही टिकट 1400 से 1700 रुपए में मिल जाता है। भोपाल से लखनऊ के लिए बेटवंटी ट्रैवल्स में किराया 8899 रुपए तक पहुंच गया है, जो सामान्य 1400 से 1800 रुपए की तुलना में कई गुना अधिक है।

कृषि कैबिनेट से मंत्री विजयवर्गीय-पटेल ने बनाई दूरी, इंदौर में त्रिपुरा के सीएम से मिले कैलाश, दिनभर भोपाल में रहे प्रहलाद

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

बड़वानी के नागलवाड़ी में मध्य प्रदेश की मोहन सरकार ने कृषि कैबिनेट की बैठक की। इस बैठक में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल शामिल नहीं हुए। प्रहलाद पटेल दिन भर भोपाल में रहे, वहीं, कैलाश विजयवर्गीय आलीराजपुर में भगोरिया मेले में शामिल हुए और फिर इंदौर में रात को फाग में शामिल हुए।

इंदौर में त्रिपुरा के सीएम से मिले विजयवर्गीय सोमवार को बड़वानी में कृषि कैबिनेट का आयोजन हुआ। इधर, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय आलीराजपुर पहुंचे और मंत्री नागर सिंह चौहान और सांसद अनीता चौहान के साथ भगोरिया उत्सव में शामिल हुए। दोपहर बाद इंदौर पहुंचे त्रिपुरा के सीएम माणिक साहा से मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मुलाकात की। रात को विजयवर्गीय इंदौर में ही फाग यात्रा में शामिल हुए।

मंत्री प्रहलाद पटेल आलीराजपुर में भगोरिया मेले में शामिल हुए। इसके बाद इंदौर में त्रिपुरा के सीएम से मिले फिर फाग यात्रा में भाग लिया।

'त्री प्रहलाद पटेल आलीराजपुर में भगोरिया मेले में शामिल हुए। इसके बाद इंदौर में त्रिपुरा के सीएम से मिले फिर फाग यात्रा में भाग लिया।

भोपाल में रहे प्रहलाद पटेल कृषि कैबिनेट के वक्त मंत्री प्रहलाद पटेल भोपाल में थे। उनसे मिलने बीजेपी किसान मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश महामंत्री कप्तान सिंह यादव पहुंचे। कप्तान ने प्रहलाद पटेल से पैरों पर सिर रखकर आशीर्वाद लेते हुए फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की।

प्रहलाद पटेल ने दमोह की जरारूधाम गौ अभ्यारण्य के कोषाध्यक्ष सुशील गुप्ता से मुलाकात की। इसके बाद शाम को मंत्री प्रहलाद पटेल विदिशा के लिए रवाना हो गए। प्रहलाद पटेल के पीए रहे कप्तान सिंह यादव ने बीजेपी किसान मोर्चा का प्रदेश महामंत्री बनने के बाद भोपाल में कुछ इस तरह आशीर्वाद लिया। फोटो सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए कप्तान ने लिखा, भाजपा किसान मोर्चा का प्रदेश महामंत्री बनने के उपरांत आदरणीय जीजाजी प्रहलाद सिंह पटेल जी मंत्री (पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम विभाग मध्य प्रदेश शासन) से सौजन्य भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया और हृदय से आभार व्यक्त किया।

शनिवार को अमित शाह से मिले थे दोनों मंत्री और सीएम शनिवार को दिल्ली में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से सीएम डॉ मोहन यादव, नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल ने अलग-अलग मुलाकातें की थीं। हाल ही में हुए विधानसभा के बजट सत्र के दौरान विजयवर्गीय के बयानों में उनकी नाराजगी नजर आई थी।

माना जा रहा है कि दोनों मंत्रियों और सीएम के बीच अंदरूनी तौर पर अनबन चल रही है। हालांकि, किसी ने भी खुलकर कुछ कहा नहीं हैं।

गतांक से आगेः लोक कल्याण हेतु दादाजी का अवतरण

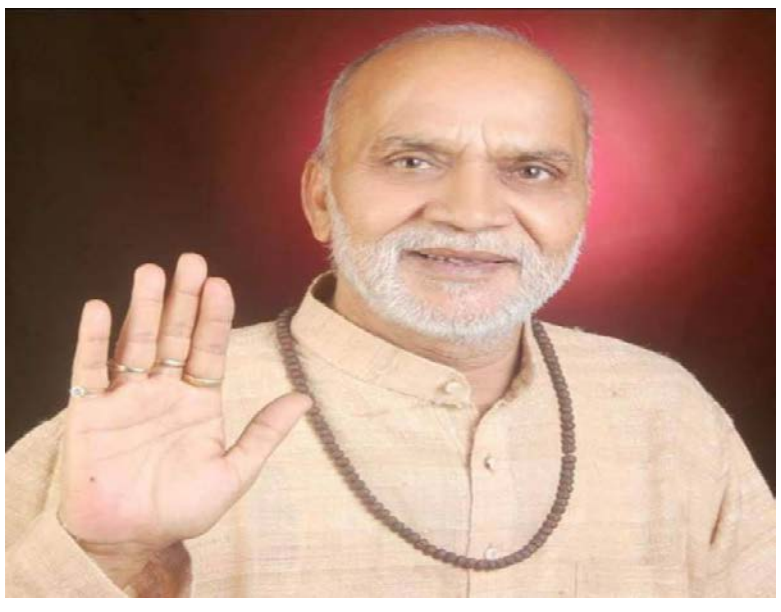

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

दादाजी के दिव्य संकल्प, सूक्ष्म आध्यात्मिक दृष्टि एवं शास्त्रसम्मत मार्गदर्शन के अनुरूप दादाजी धाम मंदिर का निर्माण कार्य अत्यंत पवित्र, मर्यादित और विधिवत रूप से सम्पन्न हुआ। यह निर्माण केवल भौतिक संरचना का उपक्रम नहीं था, अपितु एक दिव्य साधना-यात्रा थी, जिसमें प्रत्येक चरण श्रद्धा विश्वास और धर्मबोध से अभिसिंचित रहा।

दादाजी के स्पष्ट निर्देशानुसार कुल 1 एकड़ 5 डिसमिल भूमि में से 6000 वर्गफुट क्षेत्र का चयन मंदिर निर्माण हेतु किया गया। सर्वप्रथम मंदिर का संपूर्ण वास्तु नक्शा तैयार किया गया, जिसमें दिशाओं का संतुलन, ऊर्जा प्रवाह, देवस्थानों का क्रम और आध्यात्मिक मर्यादा का विशेष ध्यान रखा गया। तत्पश्चात उसी खाके के अनुरूप भूमि का विधिवत सीमांकन कर पिलरों नींव की पूजन कर धातु में सिक्के डालकर पूजन कर पृथ्वी वंदन किया की स्थापना करवाई गई। इसके बाद क्रमशः छत की सुदृढ़ ढलाई, दीवारों का निर्माण कलात्मक प्लास्टर तथा सूक्ष्म नक्काशी का कार्य सम्पन्न हुआ। इस सम्पूर्ण निर्माण प्रक्रिया में दादाजी स्वयं निरंतर उपस्थित रहकर अपने स्व-अनुभव, स्व-ज्ञान एवं दिव्य अंतर्दृष्टि से प्रत्येक कार्य को दिशा प्रदान करते रहे। उनके मार्गदर्शन में प्रत्येक ईंट, प्रत्येक पिलर और प्रत्येक शिखर मानो साधना का रूप धारण करता गया। मंदिर के मुख्य शिखर की ऊँचाई धरातल से 85 फीट निर्धारित की गई तथा संपूर्ण मंदिर परिसर में कुल 16 शिखरों की भव्य और संतुलित रचना की गई, जो आध्यात्मिक उत्कर्ष और दिव्यता का प्रतीक है। मंदिर परिसर का प्रत्येक अंश आध्यात्मिक संतुलन और शास्त्रीय मर्यादा के अनुरूप सुनिश्चित किया गया। दादाजी के निर्देशानुसार देवस्थानों का विन्यास इस प्रकार किया गया कि भक्त जैसे ही मुख्य द्वार से प्रवेश करे, उसके अंतःकरण में स्वतः श्रद्धा, शांति और पवित्रता का भाव जागृत हो जाए।

मुख्य द्वार से बाईं ओर क्रमशः
प्रथम स्थान विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश जी का को दिया यहीं से परिक्रमा शुरू कर,
द्वितीय स्थान जगत् जननी माँ दुर्गा जी का तृतीय स्थान सीताराम भगवान का तथा चतुर्थ स्थान भगवान शिव पार्वती का निर्धारित किया गया।

मुख्य द्वार के दाईं ओर क्रमशः
भगवान लक्ष्मीनारायण राधे कृष्ण,
माँ गायत्री, तथा संकट मोचन शक्ति दाता हनुमान जी पर कर पूर्ण कल्पना के साथ निर्माण कार्य किया गया एवं दिव्य एवं ऊर्जामय स्थान स्थापित किए गए। मंदिर के गर्भगृह में मध्य भाग में भगवान अर्धनारीश्वर का पावन स्थान सुनिश्चित किया गया, जो सृष्टि के संतुलन, करुणा और शक्ति के अद्वैत स्वरूप का दिव्य प्रतीक है। अर्धनारीश्वर भगवान के चरणों के समक्ष महा महा गुरुदेव जी का पवित्र स्थान बड़े दादाजी द्वारा मंदिर निर्माण से पहले स्थापित किया गया है, जो गुरु-तत्त्व और शिष्य-भाव की अनुपम अभिव्यक्ति है। गर्भगृह के दाईं ओर केशवानंद जी महाराज (धूनी वाले दादाजी जी) का स्थान तथा बाईं ओर साईं बाबा का स्थान स्थापित किया गया।

इसके अतिरिक्त, गर्भगृह के दाईं ओर अखंड धूनी का स्थान और बाईं ओर ध्यान कक्ष का निर्माण किया गया, ताकि साधना, ध्यान, सेवा एवं आवश्यक व्यवस्थाओं हेतु उपयुक्त और शांत वातावरण उपलब्ध हो सके। मंदिर के शिखर पर चारों धामों की प्रतिमाओं के लिए भी सुनिश्चित स्थान प्रदान किया गया, जो भारतीय सनातन संस्कृति की अखंडता और तीर्थ परंपरा का सजीव संदेश देता है।

मंदिर की प्रत्येक कलाकृति, प्रत्येक आकृति और प्रत्येक नक्काशी दादाजी की स्वयं की उपस्थिति और निर्देशन में निर्मित हुई। यह समस्त निर्माण कला उनकी अद्भुत कलात्मक दृष्टि, सूक्ष्म अनुभूति और दिव्य प्रेरणा का प्रमाण है। इस प्रकार दादाजी धाम का निर्माण केवल ईंट-पत्थर की संरचना नहीं, बल्कि श्रद्धा, विश्वास और धर्म की त्रिवेणी का सजीव स्वरूप बनकर प्रकट हुआ। दादाजी की दिव्य उपस्थिति और मार्गदर्शन से मंदिर का प्रत्येक कोना लोक-कल्याण, आध्यात्मिक उन्नयन और भक्तों के कल्याण के उद्देश्य से अभिसिंचित हुआ जहाँ आने वाला प्रत्येक श्रद्धालु शांति, आश्वासन, आत्मबल और कृपा की अनुभूति करता है।

दादाजी धाम आज न केवल एक मंदिर है, बल्कि वह साधना, सेवा, श्रद्धा और सत्य का ऐसा तीर्थ है, जहाँ मानव जीवन को धर्मपथ पर अग्रसर होने की प्रेरणा स्वतः प्राप्त होती है।

अखिल भारतीय तैलिक युवक युवती परिचय सम्मेलन आयोजित हुआ

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

अखिल भारतीय तैलिक युवक युवती परिचय सम्मेलन रविवार को बरेली जिला रायसेन मध्य प्रदेश में आयोजित हुआ। इसमें हजारों की संख्या में सामाजिक बंधुओ ,मातृ शक्तियो ने सहभागिता की। मंच से युवक/ युवतीयों ने परिचय दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रविकरण साहू पूर्व तेल घानी बोर्ड अध्यक्ष मध्य प्रदेश थे । विशिष्ट अतिथियो में हेमन्त राजा चौधरी नगर पंचायत अध्यक्ष बरेली जिला रायसेन , चन्द्र मोहन साहू भोपाल (राष्ट्रीय अपर महामंत्री व संगठन कार्य प्रमुख) भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा , श्याम साहू भाजपा मंडल अध्यक्ष सिलवानी, गुलाब सिंह गोलहानी लखनादौन , वरिष्ठ समाज सेवी एवं (नमो नमो मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष) ओंकार साहू भोपाल राष्ट्रीय सचिव राजनैतिक प्रकोष्ठ भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा , योगेश साहू भोपाल युवा प्रकोष्ठ सचिव भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा , आर के साहू सागर वरिष्ठ समाज सेवी , लाल चन्द साहू पटवारी सीहोर, राष्ट्रीय कृषक प्रकोष्ठ प्रभारी (भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा) राम साहू सागर (मीडिया प्रमुख) , पूनम साहू सागर , शंभू दयाल साहू कर्मा सेना भोपाल , ओम प्रकाश साहू बकतरा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ मौजूद थे। भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा के मंच से अतिथियों का सम्मान किया गया।, बरेली साहू समाज के लिए ऐतिहासिक दिवस रहा जहां एक तहसील स्तर के नगर ने युवक युवती परिचय सम्मेलन आयोजित कर समाज को आगे बढ़ाया एवं समाज को संगठित किया। वरिष्ठ समाज सेवी बरेली विनोद साहू (भाजपा नेता) , समर्पित एवं कर्तव्यनिष्ठ समाज सेवी बरेली नारायण साहू , नगर साहू समाज बरेली के अथक प्रयासों से एवं नव युवक गणों के सहयोग से एवं मातृ शक्तियो के सहयोग से कार्य क्रम सफल रहा।, सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं एवं बाहर से प्रदेश के कोने कोने से पधारे सभी सामाजिक बंधुओ को भी बधाई दी गई। ठाकुर दास साहू साईं खेड़ा, कृपा राम साहू खरगौन , छोटे लाल साहू पारतलाई एवं अन्य वरिष्ठ समाज सेवियो की सहभागिता की। , कार्यक्रम में किशोर कुमार साहू भोपाल , बाबू लाल साहू भोपाल, अर्जुन सिंह साहू भोपाल , सुरेश चन्द्र साहू भोपाल, मोहन साहू अयोध्या नगर भोपाल , शैलेंद्र साहू रेलवे भोपाल उपस्थित रहे।, इस कार्यक्रम हेतु सभी दानदाता गणों के सहयोग से ही कार्यक्रम सफल रहा है। इस कार्यक्रम में बरेली नगर से शिव दयाल साहू , चन्द्र मोहन साहू , राम सेवक साहू , शिव प्रसाद साहू , मनोज साहू , वीरेन्द्र साहू, फतह चन्द साहू , नर्वदा प्रसाद साहू , जमना प्रसाद साहू, भागचंद साहू एवं अन्य सभी साथियों का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।, कार्यक्रम में मंच से लगभग 80 से 100 युवक -युवतियो द्वारा अपना एवं परिवार जन का परिचय दिया गया। , कार्यक्रम में मंच संचालन कवि प्रेम नारायण साहू एवं पत्रकार राम साहू द्वारा किया गया है।

प्रतिभा, परंपरा और प्रगति का संगम बना `मेरी उड़ान मेरी पहचान'

800 महिलाओं की दमदार उपस्थिति, संस्कार सुधा का ऐतिहासिक आयोजन

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

शहर की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था संस्कार सुधा फाउंडेशन द्वारा 1 मार्च को मानस भवन में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में "मेरी उड़ान मेरी पहचान–सीजन 9" का भव्य और सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 800 महिलाओं की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिससे पूरा सभागार उत्साह और ऊर्जा से भर गया। संस्था की अध्यक्ष डॉ. रश्मि अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य मातृशक्ति की प्रतिभाओं को मंच प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास की नई दिशा देना है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आशीष अग्रवाल (सोशल मीडिया प्रभारी, भाजपा), मालती राय, जिला अध्यक्ष रविंद्र यती एवं पूर्व सांसद रघुनाथ शर्मा उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने संस्था के कार्यों एवं महिलाओं की प्रतिभाओं की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी पहल बताया।

40 से अधिक मॉडल एवं मेकअप आर्टिस्ट ने किया प्रतिभा का प्रदर्शन : कार्यक्रम में पारंपरिक वेशभूषा का विशेष डिजाइनर राउंड आकर्षण का केंद्र रहा, जिसमें डिजाइनर सीमा विश्वकर्मा, स्नेही सिंह एवं सोनम सिंह ने अपनी उत्कृष्ट वस्त्र कला प्रस्तुत की। 40 से अधिक मॉडल एवं मेकअप आर्टिस्ट ने मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। संस्था के उपाध्यक्ष रविंद्र माथुर एवं जसप्रीत कौर द्वारा प्रतिभागियों की ग्रूमिंग की गई।

इस अवसर पर मध्यप्रदेश से चयनित 15 विशिष्ट विभूतियों को "मध्यप्रदेश गौरव राज्य अलंकरण सम्मान" से सम्मानित किया गया। बिजनेस कम्युनिटी संयोजक शशि बंसल, रीना अग्रवाल, गीता अग्रवाल एवं सुधा देव तिवारी के सहयोग से स्व-सहायता समूह की बहनों द्वारा उत्पादों की आकर्षक प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसे उपस्थित जनसमूह ने खूब सराहा।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में गणेश वंदना एवं रामायण का नाट्य रूपांतरण विशेष आकर्षण रहे, जिन्होंने दर्शकों को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक भाव से ओत-प्रोत कर दिया।

बिजनेस कम्युनिटी लॉन्च करने की योजना :
संस्था पिछले 10 वर्षों से सांस्कृतिक, धार्मिक एवं सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रही है। संस्कार सुधा यूथ फाउंडेशन की अध्यक्ष सुश्री यशस्वी अग्रवाल ने बताया कि आगामी महीनों में लगभग 200 महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की योजना है। साथ ही संस्था शीघ्र ही अपनी बिजनेस कम्युनिटी लॉन्च करने जा रही है, जिससे मातृशक्ति को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सके। यूथ उपाध्यक्ष पलाश गोयल, कुलदीप सिंह, अंकित सिंह, भुवनी राजावत एवं अलका हिरवार द्वारा युवाओं को सनातन संस्कृति से जुड़ने और नशामुक्त जीवन अपनाने का संदेश भी दिया गया।मेरी उड़ान मेरी पहचान कार्यक्रम ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि प्रतिभा को यदि उचित मंच और संस्कारों की दिशा मिले, तो महिलाएं समाज में नई पहचान स्थापित कर सकती हैं।

होली की खुशियां एवं रंग बुजुर्गों के संग-रिंकू भटेजा

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

ओम शिव शक्ति सेवा मंडल भोपाल के सचिव रिंकू भटेजा ने बताया कि पिछले कई वर्षों की भांति इस वर्ष भी "बुजुर्गों की सेवा ही,भोलेनाथ की सेवा के तहत " मंडल सदस्य होली का त्यौहार 4 मार्च को आसरा वृद्ध आश्रम जाकर , अपने परिवार द्वारा बेसहारा ,एकाकी जीवन जीने के लिए मजबूर बुजुर्गों को रंग गुलाल लगाकर उनके साथ होली का त्यौहार मनाएंगे एवं उनका आशीर्वाद लेकर उनके साथ भोजन करेंगे।

श्री चैतन्य टेक्नो स्कूल में होली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

श्री चैतन्य टेक्नो स्कूल, कोलार रोड शाखा में होली का पर्व अत्यंत श्रद्धा, उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाया गया। दीपिका दुबे (पी.पी.आर.टी. इंचार्ज) ने बताया कि प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी होली का आयोजन विद्यालय में बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने उपस्थित सभी जनों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में संस्था के उच्च पदाधिकारी श्रीधर (ए.जी.एम.), उपेंद्र सौनग्रह (डीन), सुनील पांडे, कीर्ति बेस (इंचार्ज), दास मिश्रा, भारती मानडोले एवं श्रीनिका गोयल की गरिमामयी उपस्थिति रही। अंत में ए.जी.एम ने सभी बच्चों को अबीर-गुलाल लगाकर आशीर्वाद एवं शुभकामनाएँ प्रदान कीं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

5 साल के लिए बढ़ाया योजनाओं का कार्यकालः मप्र में पहली कृषि कैबिनेट, किसानों से जुड़ी 16 योजनाओं के लिए 27,500 करोड़ मंजूर

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

कृषि कल्याण वर्ष-2026 के तहत मप्र सरकार की पहली कृषि कैबिनेट सोमवार को बड़वानी जिले के नागलवाड़ी स्थित भीलट बाला देवस्थान पर आयोजित हुई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में कृषि, सिंचाई, पशुपालन, मत्स्य और सहकारिता विभाग की 16 किसान हितैषी योजनाओं के लिए 27 हजार 500 करोड़ रुपए मंजूर किए गए। कैबिनेट ने मार्च 2026 में समाप्त हो रही योजनाओं का कार्यकाल बढ़ाकर मार्च 2031 तक कर दिया। बैठक में मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि प्रदेश के विभिन्न अंचलों में कृषि कैबिनेट होंगी। अगली बैठक महाकौशल क्षेत्र के बालाघाट जिले में प्रस्तावित है।

बड़वानी के लिए 2067.97 करोड़ के 2 सिंचाई प्रोजेक्ट मंजूर : बैठक के बाद नर्मदा नियंत्रण मंडल ने बड़वानी जिले के लिए 2067.97 करोड़ लागत के दो माइक्रो लिफ्ट सिंचाई प्रोजेक्ट मंजूर किए। इनसे वरला और पानसेमल तहसील के 86 गांवों में सिंचाई सुविधा और भूजल स्तर में सुधार होगा।

इन योजनाओं को दी गई मंजूरी
क्रम योजना स्वीकृत राशि (करोड़)
1 कृषि, सिंचाई सहित समेकित पैकेज 27,500
2 किसान कल्याण योजनाएं (समेकित) 25,678
3 बड़वानी की 2 सिंचाई परियोजनाएं 2,067.97
4 पशु चिकित्सालय अधोसंरचना व पशु स्वास्थ्य610.51
5 मुख्यमंत्री मछुआ समृद्धि योजना 200
6 राष्ट्रीय उद्यानिकी मिशन 1,150
7 सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना 1,375
8 पौधशाला उद्यान योजना 1,739
9 कृषि विकास की 20 परियोजनाएं 3,502
10 सहकारी बैंकों अंश पूंजी सहायता 1,975
11 अल्पकालीन फसल ऋण ब्याज अनुदान 3,909
12 सहकारी संस्थाओं का संचालन (12 योजनाएं)1,073
13 सहकारिता विभाग मॉनिटरिंग योजनाएं 1,229
14 राष्ट्रीय गोकुल मिशन (सेक्स्ड सीमन) 656
15 पशु स्वास्थ्य व संरक्षण (14 योजनाएं) 1,723
16 पशुपालन एवं डेयरी क्षेत्र (11 योजनाएं) 6,518

दावा- एकीकृत मत्स्योद्योग से 20 हजार लोगों को मिलेगा रोजगार
कैबिनेट ने मप्र एकीकृत मत्स्योद्योग नीति-2026 को भी मंजूरी दी। इसके तहत तीन वर्षों में 3 हजार करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। नीति से मछली उत्पादन, व्यापार, कोल्ड स्टोरेज और निर्यात सुविधाओं का विस्तार होगा। 20 हजार रोजगार सृजित होने का अनुमान है। इसके लिए 18.50 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया गया है।

बंगाल चुनाव करवट बदल रहा है

एक मार्च से ही केंद्रीय बलों की तैनाती हो रही है और 10 मार्च तक कुल 480 कंपनियों को पश्चिम बंगाल में तैनात किया जाएगा। इसका अर्थ है कि चुनाव की घोषणा होने और अधिसूचना जारी होने से पहले ही केंद्रीय बलों की पर्याप्त तैनाती हो जाएगी। जमीनी स्तर पर इसका कितना लाभ होगा यह नहीं कहा जा सकता है। लेकिन मनोवैज्ञानिक स्तर पर इसका दो तरह से लाभ है। पश्चिम बंगाल में चुनाव नजदीक आने के साथ साथ मुकाबला भी नजदीकी होता जा रहा है। चुनाव आयोग की ओर से अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी गई है। इसमें मसौदा सूची के मुकाबले 60 लाख नाम और कम हैं यानी कुल एक करोड़ 18 लाख नाम कम हो गए हैं। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची सात करोड़ 66 लाख की थी। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के बाद इसमें से 58 लाख से कुछ ज्यादा नाम कटे। लॉजिकल डिस्क्रिपेंसीज की वजह से 60 लाख नाम और रोके गए हैं। इनके दस्तावेजों की जांच होगी और बाद में एक पूरक मतदाता सूची जारी होगी। राज्य सरकार की अड़ंगेबाजी के बावजूद यह काम रूक नहीं रहा है। एसआईआर के काम में मदद कर रहे न्यायिक अधिकारियों के प्रशिक्षण का मुद्दा लेकर राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट गई थी तो अदालत ने उसे कड़ी फटकार लगाई और कहा कि ऐसे छोटे छोटे मुद्दे पर एसआईआर की प्रक्रिया में बाधा डालना ठीक नहीं है। बहरहाल, अंतिम मतदाता सूची आने के बाद यह लगभग स्पष्ट हो गया है कि चुनाव समय पर होगा। यह चुनाव कई मायने में बहुत अहम है। कांग्रेस से अलग होकर अपनी पार्टी बनाने और स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ना शुरू करने के बाद ममता बनर्जी के लिए यह संभवतः पहला चुनाव है, जिसमें वे इतनी चुनौतियों से घिरी हैं। भारतीय जनता पार्टी ने उनको राजनीतिक रूप से चुनौती दी है तो दूसरी चुनौती मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की है। अब तक किसी भी पार्टी की चुनौती ममता बनर्जी का कुछ नहीं बिगाड़ पाती थी तो उसका कारण यह था कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची शुद्ध नहीं थी और बड़ी संख्या में ऐसे मतदाताओं के नाम थे, जिनका वास्तव में अस्तित्व नहीं था। ऐसा नहीं है कि ये सब ममता बनर्जी या तृणमूल कांग्रेस के बनाए हुए थे। असल में ममता बनर्जी को एक बना बनाया सिस्टम विरासत में मिला था। लेफ्ट पार्टियों के करीब साढ़े तीन दशक के राज में उनके फायदे के लिए जो मतदाता बनाए गए और उनके वोट डलवाने का जो सिस्टम बना वह ममता बनर्जी को मिल गया। लेफ्ट के कमजोर होने के साथ ही उस सिस्टम को संचालित करने वाली ताकतें सत्तारूढ़ दल यानी तृणमूल कांग्रेस के साथ हो गईं। चुनाव आयोग ने उस सिस्टम को समाप्त करने की पहल की है।

युद्ध के मकड़जाल में!

खामेनई के उत्तराधिकारियों ने चंद घंटों के अंदर जिस तरह इजराइल के अंदर तथा विभिन्न खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य एवं अन्य ठिकानों को निशाना बनाया, उसका यही पैगाम है कि ईरान ने लंबी लड़ाई की तैयारी कर रखी है। विडंबना ही है कि जिस सुबह अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ ओमान के विदेश मंत्री बदर बिन हमद अल बुसेइदी ने जानकारी दी कि ईरान संवर्धित यूरेनियम के भंडार को खत्म करने और आगे संवर्धन ना करने पर राजी हो गया है, अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर साझा हमला बोल दिया। इसका एलान करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने जो कहा, उसका अर्थ यही था कि वे इतने से संतुष्ट नहीं है, बल्कि ईरान में सत्ता परिवर्तन उनका मकसद है, ताकि पश्चिम एशिया में आगे चल कर इजराइल को चुनौती दे सकने वाला कोई देश ना रहे। इस उद्देश्य में अमेरिका- इजराइल को आरंभिक सफलता भी मिली। उनके हमलों में ईरान के सर्वोच्च धार्मिक नेता आयतुल्लाह खामेनई मारे गए। लेकिन अब यह स्पष्ट है कि उससे तखता पलट का मकसद तुरंत हासिल होने नहीं हुआ है। ईरान के इस्लामी शासन ने उत्तराधिकार की कई स्तरों की व्यवस्था की हुई है, जिसमें आपातकालीन उत्तराधिकार भी शामिल है। खामेनई के उत्तराधिकारियों ने चंद घंटों के अंदर जिस तरह इजराइल के अंदर तथा विभिन्न खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य एवं अन्य ठिकानों को निशाना बनाया, उसका यही पैगाम है कि ईरान ने लंबी लड़ाई की तैयारी कर रखी है। कोरिया और वियतनाम युद्धों के बाद कभी ऐसा नहीं हुआ कि किसी शक्ति ने अमेरिकी सैन्य अड्डों पर इतने बेखौफ ढंग से हमले किए हों। उधर पूरा पश्चिम एशिया लड़ाई के दायरे में आता दिख रहा है, जिससे क्षेत्रीय युद्ध के अंदेशे ने ठोस रूप ले लिया है। इसके बीच 'छोटी और निर्णायक' लड़ाई की डॉनल्ड ट्रंप की मंशा पूरी होने की संभावना कम ही है। तखता पलट के बिना आखिर क्या वो मकसद होगा, जिससे ट्रंप अपनी जीत का एलान कर सकें, यह उन्होंने स्पष्ट नहीं किया है। इस रणनीतिक अस्पष्टता के कारण युद्ध का लंबा खिंचा, तो उसकी आंच दुनिया भर तक पहुंचेगी। ईरान ने होरमुज खाड़ी और उसके सहयोगी यमन स्थित अंसारुल्लाह (हूती) ने लाल सागर को बंद करने का एलान किया है। इससे विश्व स्तर पर ऊर्जा संकट खड़ा हो सकता है। उसके गहरे वित्तीय एवं आर्थिक परिणामों की आशंका मंडराने लगी है।

होलिका और फाल्गुन का पटविलासिनी रूप!

फाल्गुन की मादकता, सौंदर्य और प्रकृति के श्रृंगार को प्राचीन संस्कृत ग्रंथों में "फाल्गुन पटविलासिनी" कहा गया है। 'पट' का अर्थ है वस्त्र और 'विलासिनी' का अर्थ है क्रीड़ा करने वाली या सजी-धजी नायिका। पटविलासिनी का मतलब है — वह जो सुंदर वस्त्र पहनकर सबको मोहित कर ले। फाल्गुन को पटविलासिनी कहने का अर्थ है कि प्रकृति ने रंगों के वस्त्र पहन लिए हैं। भारतीय पंचांग का अंतिम और बारहवां महीना फाल्गुन प्रेम, उमंग, रंगों और वसंत का समय है। यह भक्ति, आराधना और ऋतु परिवर्तन का प्रतीक है। इस महीने की पूर्णिमा को फाल्गुनी नक्षत्र पड़ता है, इसलिए इसका नाम फाल्गुन है। फाल्गुन पूर्णिमा का चाँद भी विशेष माना जाता है। यह महीना आनंद और उल्लास का महीना कहा जाता है। इसी समय से धीरे-धीरे गर्मी की शुरुआत होती है और सर्दी कम होने लगती है, जिससे मौसम बहुत सुहावना हो जाता है। फाल्गुन की मादकता, सौंदर्य और प्रकृति के श्रृंगार को प्राचीन संस्कृत ग्रंथों में "फाल्गुन पटविलासिनी" कहा गया है। 'पट' का अर्थ है वस्त्र और 'विलासिनी' का अर्थ है क्रीड़ा करने वाली या सजी-धजी नायिका। पटविलासिनी का मतलब है — वह जो सुंदर वस्त्र पहनकर सबको मोहित कर ले। फाल्गुन को पटविलासिनी कहने का अर्थ है कि प्रकृति ने रंगों के वस्त्र पहन लिए हैं। इस समय प्रकृति एक सजी-संवरी नायिका की तरह दिखाई देती है। पलाश के लाल फूल और सरसों के पीले फूल मानो प्रकृति के रेशमी वस्त्र लगते हैं। टेसू के फूल और सरसों की पीली चादर धरती को नववधू की तरह सजा देती है। जंगलों में पलाश ऐसे खिलते हैं जैसे धरती ने अग्नि रंग की साड़ी पहन ली हो। आम की मंजरियों की खुशबू और कोयल की कूक इस सजी हुई प्रकृति के आभूषण और संगीत हैं। यह वह समय है जब प्रकृति एकांत से निकलकर उत्सव में बदल जाती है। होलिका दहन और पटविलासिनी का संबंध भी गहरा है। जहां होलिका दहन वैराग्य और भस्म का प्रतीक है, वहीं पटविलासिनी अनुराग और रंगों का प्रतीक है। बिना दहन के श्रृंगार संभव नहीं। जब तक पतझड़ के पुराने पत्ते नहीं गिरते, तब तक नए पल्लव नहीं आते। ब्रज साहित्य में फाल्गुन पटविलासिनी को राधारानी का स्वरूप माना गया है। होली में जब वे रंग-बिरंगे वस्त्र पहनकर श्रीकृष्ण के साथ प्रेम-क्रीड़ा करती हैं, तब उन्हें इस सुंदर रूप में देखा जाता है। होली की अग्नि के बाद जब अबीर-गुलाल उड़ता है, तो वह केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि आत्मा का परमात्मा

से मिलन का प्रतीक है। ब्रज की गलियों में टेसू का रंग जब बरसता है, तो वह जड़-चेतन सबको रंग देता है। फाल्गुन पटविलासिनी हमें सिखाती है कि जीवन केवल दुखों का दहन नहीं, बल्कि दहन के बाद आने वाला उत्सव भी है। होलिका की राख नश्वरता की याद दिलाती है और फाल्गुन के रंग जीवन की ऊर्जा और प्रेम की अनंतता का संदेश देते हैं। होलिका दहन की अग्नि केवल लकड़ी नहीं जलाती, बल्कि भीतर की बुराइयों को जलाने का संकेत देती है। दहन के बाद जो होता है, वह और भी सुंदर है। प्रकृति पुराने पत्तों को छोड़कर नए पल्लव धारण करती है। इसलिए फाल्गुन पूर्णिमा की रात होलिका के सामने अहंकार त्यागने का संकल्प लिया जाता है, ताकि अगली सुबह प्रेम और सद्भाव का स्वागत किया जा सके। रीतिकालीन कवियों ने भी बसंत और फाल्गुन की सुंदरता का वर्णन सजीले शब्दों में किया है। ब्रज और भक्ति साहित्य में फाल्गुन पटविलासिनी का गहरा अर्थ है। होली के समय राधारानी को पटविलासिनी कहा जाता है, क्योंकि वे रंगों और आभूषणों से सजी होकर कृष्ण के साथ प्रेम का उत्सव मनाती हैं। यह भौतिक नहीं, दिव्य प्रेम का प्रतीक है। सुर्यकांत त्रिपाठी निराला की कविता "अट नहीं रही है" फागुन की मादकता को सजीव रूप देती है। इस कविता में फागुन के आते ही वातावरण रंगों से भर उठता है। पेड़ों पर नई कोपलें फूटती हैं, खेत हरे हो जाते हैं। रीतिकालीन कवि पद्माकर ने भी अपने सवैयों में ब्रज और फाल्गुन के उल्लास का चित्रण किया है। होलिका दहन और फाल्गुन पटविलासिनी का संबंध विनाश और सृजन का संगम है। जहां होलिका दहन बुराई के अंत का प्रतीक है, वहीं फाल्गुन पटविलासिनी नए जीवन का उत्सव है। दहन के बाद धुलेंडी की सुबह रंगों के साथ प्रकृति अपने सबसे सुंदर रूप में सजती है। ब्रज में यह समय केवल रंगों का नहीं, बल्कि राधा-कृष्ण के प्रेम का उत्सव है। फाल्गुन एक मनोदशा है — जब प्रकृति पुराना त्यागकर नया रूप धारण करती है। होलिका की अग्नि केवल लकड़ी नहीं जलाती, बल्कि भीतर की ईर्ष्या और अहंकार को भी भस्म करने का संदेश देती है। पौराणिक कथा के अनुसार प्रह्लाद का विश्वास बच जाता है और होलिका का अहंकार जल जाता है। यही संदेश है कि पुराना दहन होगा तभी नया जीवन नाचेगा। वैज्ञानिक दृष्टि से भी यह अग्नि वातावरण को शुद्ध करने का संकेत देती है। ब्रज में फाल्गुन की शुरुआत के साथ ही होली के रसिया गाए जाते हैं। इस महीने महाशिवरात्रि, आमलकी एकादशी और होली प्रमुख पर्व हैं। होलाष्टक का समय साधना के लिए शुभ माना जाता है। शीतल जल से स्नान और दान का भी महत्व है।

फाल्गुन का महीना प्रेम, शांति और आध्यात्मिकता का महीना है। भागवत पुराण में प्रह्लाद और हिरण्यकश्यप की कथा बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। इसी स्मृति में होलिका दहन और होली मनाई जाती है। ढूंढिका राक्षसी, शिव-पार्वती विवाह, कामदेव-रति की कथाएँ भी इसे धार्मिक और आध्यात्मिक अर्थ देती हैं।

-अशोक 'प्रवृद्ध'

नेतन्याहू ने दुनिया बदली!

ओह! इक्कीसवीं सदी। इस सदी के प्रारंभ की एक तारीख 9/11 की थी। ताज़ा तारीख 2/28 है। और 26 वर्षों की इस पूरी अवधि के प्रतीक कौन हैं? तब जॉर्ज डब्ल्यू बुश थे। अब डोनाल्ड ट्रंप हैं। और तीसरे प्रतीक इज़राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू हैं। 9/11 के समय नेतन्याहू प्रधानमंत्री नहीं थे। वे 1996 में प्रधानमंत्री थे। उन्होंने ओस्लो समझौते को हाशिए में रख फिलिस्तीनियों के प्रति नया रवैया अपनाया था। उनकी वापसी 9/11 की घटना के वैश्विक प्रभावों का एक परिणाम थी। हां, नेतन्याहू सर्वाधिक लंबे समय से प्रधानमंत्री बने रहने का रिकॉर्ड लिए हुए हैं। वे पहली बार 1996 में प्रधानमंत्री बने। उन्होंने इज़राइल के संस्थापक प्रधानमंत्री डेविड बेन-गुरियन (14 मई 1948 को उन्हीं ने इज़राइल की स्वतंत्रता की घोषणा की थी।) के कार्यकाल का रिकॉर्ड तोड़ा है। नेतन्याहू का अब तक का कार्यकाल 18 वर्षों का है। तय मानें ईरान पर इजराइल-अमेरिकी हमले तथा 24 घंटे के भीतर ईरानी सुप्रीमो अली ख़ामेनेई की मौत से इसी साल होने वाले चुनावों में भी नेतन्याहू की जीत पक्की है। नेतन्याहू पहले दिन से फिलिस्तीनियों, अरब इस्लामी राजनीति को हैसियत बताने के मकसद में काम करते रहे हैं। और इसमें वे अपनी सफलता की गाथा 28 फरवरी 2026 की तारीख पर बुनेंगे जिस पर इजराइली मतदाताओं का अनिवार्यतः ठप्पा लगेगा। मैं नेतन्याहू को पहले रख रहा हूं और डोनाल्ड ट्रंप को बाद में। क्योंकि जो हुआ है उसके उत्प्रेरक केवल और केवल नेतन्याहू हैं। कहने वाले कहेंगे कि ट्रंप मवाली हैं और उनकी वजह से वेनेज़ुएला के बाद ईरान ऑपरेशन हुआ। पर असल खेला नेतन्याहू का रचा हुआ है। उन्होंने पश्चिम एशिया की शक्ल बदली है तो दुनिया के कोई दो अरब (1.9 अरब) मुसलमानों के दिल-दिमाग को भी झिंझोड़ा है। निश्चित ही चिंगारी हमास के (सात अक्टूबर 2023) आतंकी हमले से थी। लेकिन उसके बाद जो हुआ है वह केवल नेतन्याहू की बदौलत है। उन्होंने किसी की कोई चिंता नहीं की। और दुनिया के आगे गाजा का वह लाइव नजारा बनाया जिसे देख हर कोई दहला। और दुनिया भर के मुसलमान पर सर्वाधिक असर। यही इस सदी के 26 वर्षों की हकीकत है। मानों सभ्यताओं में संघर्ष बिना घोषणा के होता हुआ। सोचें, आतंकवाद के खिलाफ राष्ट्रपति बुश के वैश्विक जंग के ऐलान और

अफगानिस्तान-इराक पर हमलों के बाद क्या माना गया? खत्म हुए इस्लामी आतंकी और दुनिया सामान्य! लेकिन इज़राइल में नेतन्याहू, यूरोप में आतंकियों, इराक-सीरिया में इस्लामी स्टेट और फिर अचानक ट्रंप का उभार क्या था? यों कहने को नेतन्याहू-ट्रंप ने अब्राहम समझौते का झुनझुना बना कर यहूदी इजराइल और इस्लामी देशों में कूटनीतिक रिश्तों की झांकी बनाई लेकिन अंत अनुभव क्या है? कुल परिणाम क्या है? कह सकते हैं समय के साथ भूल जाने वाली घटनाओं का सिलसिला है। यह सही नहीं है। क्योंकि हम 21वीं सदी में हैं। वह बीसवीं सदी अलग थी, जिसमें महायुद्ध हुए। विश्व व्यवस्था बदली। मगर वह सब वैश्विक जनमानस की आंखों के आगे प्रत्यक्ष नहीं था। अमेरिका ऐसा है, यहूदी ऐसे हैं, मुसलमान ऐसे हैं, हिंदू ऐसे हैं, ईसाई ऐसे हैं, ये बाते बीसवीं सदी में जानकार लोग ही सुनते थे। सब सुनी-सुनाई बातें होती थीं। पश्चिम एशिया में कभी क्रूसेड हुआ। मुस्लिम हमलावर निर्मम हैं या यूरोपीय देश लुटेरे हैं, औपनिवेशिक ताकतें और पूंजीपति शोषक हैं ये तमाम बातें आम जन मानस से दूर थी, जबकि इक्कीसवीं सदी में दुनिया एक गांव है। सब कुछ लाइव है। आज पृथ्वी के आठ अरब लोगों के आगे सब लाइव घटता हुआ है। सो, दुनिया के आगे नेतन्याहू के भी पल-पल दर्शन हैं तो अली खामेनेई, लादेन, बगदादी, ट्रंप, मोदी, पुतिन, शी जिनपिंग आदि भी कैमरे के जरिए आंखों के आगे साक्षात हैं। इसलिए नेतन्याहू ने 2023 से अब तक जो किया है वह वैश्विक स्मृतियों में, मुस्लिम आबादी में आंखों देखी दर्ज है। नेतन्याहू और ट्रंप को गलतफहमी है कि अली खामेनेई और ईरान को शैतान करार देकर मारा है तो मुसलमान उनका जयकारा करेगा। मेरा मानना है कि ट्रंप प्रशासन का यह सोचना ही बेवकूफी भरा है कि ईरान के लोग उसके लोकतंत्र बनवाने के मिशन की वाह करेंगे। इसलिए हर खाड़ी देश ने ट्रंप प्रशासन को समझाना चाहा कि ईरान पर हमला न करें। इसके पीछे कतर, ओमान, कुवैत, बहरीन को जहां अपनी सुरक्षा की चिंता थी वही मुस्लिम जनमानस की भी चिंता थी। पृथ्वी के दो अरब लोगों ने पिछले तीन वर्षों में गाजा को जैसा लाइव देखा है, वे भला कैसे ईरान पर हमले को ईरानी लोगों की भलाई का का काम मानेंगे। बहरहाल, नेतन्याहू ने जो चाहा वह कर दिखाया। ट्रंप के कंधे से ईरान पर वार का मुकाम ऐतिहासिक है। और ऐतिहासिक मायने इस्लाम, इस्लामी राजनीति, इस्लामी धर्मसत्ता के सभी पहलूओं में गंभीर है। मुझे नहीं लगता कि ईरान के नौ करोड़ शिया मुसलमान अपने धर्म की धर्मसत्ता छोड़ धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र को अपनाएंगे? ईरान वेनेज़ुएला नहीं है। न ही मिस्र, तुर्की या इंडोनेशिया है। वजह ईरान का दुनिया के कोई 20-25 करोड़ शियाओं का धर्मतीर्थ होना भी है। दुनिया भर से लाखों की संख्या में शिया हर साल ईरान के तीर्थ कर्बला, नजफ़, मशहद, क़ोम पहुंचते हैं। और ये ही "विलायत-ए फ़क़ीह" यानी आयतुल्लाह/मरजाअ की विरासती धर्मशिक्षा के केंद्र हैं। इसलिए इज़राइल-अमेरिका एक आयतुल्लाह को मारेंगे तो धर्मव्यवस्था-संविधान अनुसार नया आयतुल्लाह आ जाएगा। माना जाता है कि ईरानी इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (डेढ़ से दो लाख सक्रिय सैनिक, नब्बे हजार बसिज़ मिलिशिया) धर्म विधान मामले में कट्टर हैं। ईरानी सेना के नौ लाख सैनिकों से अतिरिक्त ये ईरान के ये रिवोल्यूशनरी गार्ड हैं। ये ट्रंप-नेतन्याहू के आगे समर्पण कर दें या 47 पहले के शाह पहलवी के बेटे को तेहरान में सरकार बनाने दे यह संभव नहीं है। सो, ईरान अरब-खाड़ी क्षेत्र का सबसे बड़ा (आबादी) देश ही नहीं है उसकी सेना भी सर्वाधिक बड़ी और संस्थागत ढांचा लिए हुए है। इस वास्तविकता को नेतन्याहू भलीभांति जानते हैं। तभी नेतन्याहू ने ट्रंप के जरिए अपना मकसद साधा। सो, अमेरिका फंसा है और फंसा रहेगा। फिर ट्रंप को निज लाभ भी है। ईरान पर हमले, खुमैनी की मौत से वे अंदरूनी राजनीति में नैरेटिव बनाएंगे वही वैश्विक दादागिरी भी बढ़ेगी। इस सबका भारत पर क्या असर होगा? ध्यान रहे ईरान पर हमले से ठीक पहले नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री मोदी को न्योता दे कर उनका इजराइली संसद में भाषण करवाया। अपने मिशन में राजदार बनाया। याद करें कि किस अंदाज में दोनों प्रधानमंत्रियों ने आतंक के समूल नाश में साझेदारी दिखाई! मोदी ने कैसे इज़राइल व भारत को फादरलैंड-मदरलैंड के रूपक में बांधा। सवाल है नेतन्याहू के जरिए जोश-अहंकार का वैश्विक गुब्बारा बने डोनाल्ड ट्रंप नई स्थिति में क्या भारत पर रहम करेंगे? व्यापार संधि में भारत से बराबरी का व्यवहार करेंगे या और दबाव डालेंगे? कल तक भारत की ऊर्जा यानी कच्चे तेल (रियायतों के साथ) का ईरान भरोसेमंद सप्लायर था। उस सोर्स को अब बंद मानना चाहिए। क्योंकि वहां ट्रंप की वेनेज़ुएला जैसी कठपुतली सरकार कतई नहीं बनेगी। लड़ाई होती रहेगी। अंदरूनी अराजकता में ईरानी तेल ठिकाने बर्बाद भी हो सकते हैं। सो, जब ईरान से सप्लाई बाधित होगी तो चीन की खरीद रूस से होगी। वही भारत ट्रंप के दबाव में रूस से सप्लाई नहीं बढ़वा सकता। ऐसे में अमेरिका से खरीदो या उसके जरिए वेनेज़ुएला से भारत तेल मंगाएगा। और कीमत का निर्णयकर्ता अमेरिका ऐसा सिनेरियो न तो असंभव है और न इसका समाधान आसान है। ले देकर मोदी सरकार नेतन्याहू से ही रास्ता निकलवा सकती है। वह भी तब संभव है जब यह मालूम हो कि ईरान की धर्मसत्ता और उसके बारह-तेरह लाख अनुयायी सैनिक अडिग रहते हैं या नेतन्याहू-ट्रंप के आगे सरेंडर करते है? मेरा मानना है कि इन लाखों सैनिकों का सरेंडर तभी संभव है जब अमेरिका-इज़राइल दोनों तेहरान में अपने सैनिक उतारें? और यह नामुमकिन है।

-हरिशंकर व्यास

अगले साल के चुनावों में केजरीवाल की भूमिका

अगले साल दो चरण में सात राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। पहले चरण में फरवरी और मार्च में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में चुनाव हैं और उसके बाद साल के अंत में गुजरात और हिमाचल प्रदेश में चुनाव होंगे। इन सात राज्यों में अरविंद केजरीवाल की बड़ी भूमिका होने वाली है। तभी कांग्रेस का चिंतित होना अनायास नहीं है। दिल्ली की विशेष अदालत से शराब नीति घोटाले का केस खारिज किए जाने और केजरीवाल को जमानत दिए जाने के बाद आम आदमी पार्टी को संजीवनी मिली है। एक बार फिर केजरीवाल और आप के पूरी ताकत से लड़ने और आम लोगों के बीच जगह बनाने का मौका मिला है। इसका पहला असर अगले साल होने वाले चुनावों में दिखेगा। यह भी दिलचस्प है कि अगले साल के सभी चुनावों में केजरीवाल की पार्टी कांग्रेस को नुकसान कर सकती है।

गौरतलब है कि दिल्ली के बाद केजरीवाल का सबसे ज्यादा फोकस पंजाब पर था। तभी 2017 में आंशिक और 2022 में पूर्ण कामयाबी मिली। आप ने कांग्रेस को हरा कर सरकार बनाई। अभी आप की सरकार पंजाब में अलोकप्रिय हो रही थी। परंतु केजरीवाल की रिहाई ने खेल बदल दिया है। इससे कांग्रेस के वापसी करने की संभावना पर ग्रहण लगा है। असल में भाजपा को लग रहा है कि सिख उसको वोट नहीं करेंगे और अकाली दल को हिंदू वोट नहीं करेंगे। तभी कांग्रेस जीते उससे बेहतर है कि आम आदमी पार्टी जीत जाए। ऐसे ही पिछले चुनाव में गोवा में केजरीवाल और ममता बनर्जी की पार्टी ने इतना वोट काटा कि कांग्रेस तमाम अच्छी संभावनाओं के बावजूद जीत नहीं पाई। गोवा में आप को करीब सात फीसदी वोट मिले थे। गुजरात में तो केजरीवाल की पार्टी ने 13 फीसदी वोट मिले। यह पूरा वोटट कांग्रेस का था। इसकी नतीजा यह हुआ कि कांग्रेस मुख्य विपक्षी पार्टी भी नहीं बन पाई। पिछले दिनों विसावदर सीट पर हुए उपचुनाव में भी आप ने जीत हासिल की और कांग्रेस तीसरे स्थान पर रही। सो, दिल्ली के बाहर जिन तीन राज्यों में आप और केजरीवाल का असर है वहां अगले साल चुनाव है। इसलिए कांग्रेस की चिंता बढ़ी है।

खुद को बेपर्दा करती कांग्रेस

यह सम्मेलन कोई रस्मी जमावड़ा नहीं, बल्कि विश्व की तकनीकी व्यवस्था में भारत की बढ़ती ख्याति का ऐलान था। लेकिन भारत मंडपम के भीतर युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया 'अर्धनग्न प्रदर्शन' वैमनस्य का भद्दा प्रदर्शन था। स्वयं राहुल गांधी ने अपने आरोपी कार्यकर्ताओं को 'बब्बर शेर' कहकर यह स्पष्ट संदेश दिया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को घेरने के लिए वे इसी तरह देश की साख को दांव पर लगाते रहेंगे। कहते हैं "घर का भेदी लंका ढाए"— आज जब दुनिया भारत को एक उभरती हुई आर्थिक, डिजिटल और कूटनीतिक शक्ति के रूप में देख रही है, तब देश के भीतर का एक राजनीतिक वर्ग जैसे हर राष्ट्रीय उपलब्धि और अपनी जड़ों पर कुल्हाड़ी चलाने पर आमादा दिखाई देता है। भारत की अर्थव्यवस्था, डिजिटल संरचना और कूटनीतिक सक्रियता में हाल के वर्षों में जो परिवर्तन दिखाई दिया है, उसने वैश्विक स्तर पर देश की भूमिका को नए सिरे से परिभाषित किया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) जैसे उभरते क्षेत्रों में नीति-निर्माण और तकनीकी विकास को लेकर भारत की पहल इसी व्यापक परिवर्तन का हिस्सा है। दिल्ली में 16 से 20 फरवरी 2026 के बीच आयोजित 'एआई इंपैक्ट सम्मिट 2026' इसी क्रम में एक महत्वपूर्ण पड़ाव था, जिसका उद्देश्य केवल तकनीकी सहयोग नहीं, बल्कि ए.आई के नैतिक और लोकतांत्रिक उपयोग पर वैश्विक सहमति विकसित करना भी था। यह सम्मेलन कोई रस्मी जमावड़ा नहीं, बल्कि विश्व की तकनीकी व्यवस्था में भारत की बढ़ती ख्याति का ऐलान था। दुनियाभर से आए नीति-निर्माता, तकनीकी विशेषज्ञ और निवेशक भारत की डिजिटल छलांग को समझने और उसमें भागीदारी के लिए एकत्र हुए थे। लेकिन कांग्रेस नेतृत्व— विशेषकर उसके शीर्ष नेता और नेता-प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधी और उनसे प्रेरित कार्यकर्ताओं ने इस अवसर को भी ओछी राजनीति का अखाड़ा बना दिया। असहमति और विरोध लोकतंत्र में प्राणवायु है। परंतु भारत मंडपम के भीतर युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया 'अर्धनग्न प्रदर्शन' कोई स्वस्थ लोकतांत्रिक मूल्य नहीं, बल्कि राजनीतिक-वैचारिक खीझ के साथ व्यक्तिगत वैमनस्य का भद्दा प्रदर्शन था। स्वयं राहुल गांधी ने अपने आरोपी कार्यकर्ताओं को 'बब्बर शेर' कहकर यह स्पष्ट संदेश दिया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को घेरने के लिए वे इसी तरह देश की साख को दांव पर लगाते रहेंगे। पूरे घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने इसे वैचारिक खोखलेपन का प्रतीक बताया है, तो समाजवादी पार्टी सहित कुछ अग्रिम भाजपा-विरोधी दलों ने भी कांग्रेस

कार्यकर्ताओं की इस फूहड़ता से दूरी बना ली है। भारत की छवि को धूमिल और कलंकित करने की यह औपनिवेशिक मानसिकता नई नहीं है। वर्ष 1927 में अमेरिकी लेखिका कैथरीन मेयो ने अपनी पुस्तक 'मदर इंडिया' में भारतीय समाज में व्याप्त समस्याओं— जातिवाद, बाल-विवाह, स्वच्छता की कमी आदि को इस तरह प्रस्तुत किया कि मानो भारत स्वशासन के योग्य ही नहीं है। लेखिका का मत था कि 'आंतरिक विकृतियों' से ग्रस्त समाज राजनीतिक स्वतंत्रता के लायक नहीं है। उस किताब को गांधीजी ने "नाली निरीक्षक की रिपोर्ट" कहकर खारिज कर दिया था। तब गांधीजी ने समाज में व्याप्त समस्याओं से इनकार नहीं किया था, लेकिन उनके चयनात्मक विवरण और उसके पीछे की औपनिवेशिक कुटिलता को बेनकाब किया था। गांधीजी का पक्ष था कि समाज की कमियों को भीतर से सुधारा जा सकता और यह आंतरिक दायित्व है— न कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उछालकर अपने ही राष्ट्र की साख गिराई जाए। आज विडंबना यह है कि गांधीजी की विरासत पर स्वघोषित दावा करने वाला कांग्रेस नेतृत्व स्वयं उसी औपनिवेशिक मानसिकता से जकड़ा है— जहां राजनीतिक द्वेष में एक घटना को भारत के अपने वैश्विक आयोजन की विफलता का प्रमाण मानकर प्रस्तुत किया जा रहा है।

-बलबीर पुंज

जंगी जहाज,अटैक ड्रोन और स्टेल्थ बॉम्बर, अमेरिका ईरान पर हमले के लिए किन हथियारों का इस्तेमाल कर रहा

एजेंसी वॉशिंगटन

अमेरिका शनिवार से लगातार ईरान पर हमले कर रहा है। ये हमले सिर्फ ईरान तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उसकी सीमा से बाहर भी समर्थक मिलिशिया पर सैन्य कार्रवाई की जा रही है। ऐसा नहीं है कि अमेरिका ने ईरान के खिलाफ इतना बड़ा सैन्य ऑपरेशन अचानक शुरू किया है। इसके लिए बड़े पैमाने पर तैयारी की गई। अमेरिका ने ईरान पर हमले के लिए मिडिल ईस्ट में दशकों में अपनी सबसे बड़ी सेना और कुछ सबसे ताकतवर हथियार इकट्ठा किए हैं। इस बीच US सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने रविवार को उन US हथियारों की एक लिस्ट जारी की जिनका इस्तेमाल अब तक ईरान के साथ युद्ध में किया गया है। ऐसे में जानें कि पेंटागन ने ऑपरेशन एपिक फ्यूरी में किन हथियारों का इस्तेमाल किया है। किसी चमगादड़ जैसे दिखने वाले ये बमवर्षक विमान अमेरिकी वायुसेना के सबसे ताकतवर प्लेटफॉर्म हैं। चार जेट इंजन से चलने वाला B-2 बमवर्षक पारंपरिक या परमाणु हथियार ले जा सकता है। इसकी रेंज इंटरकॉन्टिनेंटल है और हवाई रिफ्यूलिंग भी हो सकती है। इसका मतलब यह है कि B-2 बमवर्षक एक छोर से उड़कर दूसरी छोर तक हमला कर सकता है। B-2 बमवर्षक को दो लोगों का क्रू ऑपरेट करता है। ये बमवर्षक आम तौर पर अमेरिका के मिसौरी में स्थित व्हाइटमैन एयरफोर्स बेस से उड़ान भरते हैं। पिछले साल भी ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले के दौरान B-2 बमवर्षकों ने यहीं से उड़ान भरी थी। अमेरिकी नौसेना के CENTCOM ने कहा कि इस बार उन्होंने ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल ठिकानों पर हमला करने के लिए 2,000 पाउंड के बम का इस्तेमाल किया। LUCAS वन-वे एक आत्मघाती ड्रोन है। ऐसा पहली बार हुआ है, जब अमेरिका ने किसी युद्ध में आत्मघाती ड्रोन का इस्तेमाल किया है। CENTCOM ने कहा है कि ड्रोन यूनिट – टास्क फोर्स स्कॉर्पियन स्ट्राइक (TFSS) को पिछले साल के आखिर में मध्य पूर्व में तैनात किया गया था। इस यूनिट ने LUCAS वन-वे ड्रोन का इस्तेमाल ईरान पर हमले के लिए

किया है। LUCAS ईरान के बनाए गए शाहेद 136 ड्रोन की नकल है। शाहेद 136 ड्रोन का इस्तेमाल रूस ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में किया है। ईरान के खिलाफ हमले में कम से कम दो अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर और कई युद्धपोतों ने हिस्सा लिया है। USS अब्राहम लिंकन और USS गेराल्ड आर फोर्ड ईरान पर हमले से पहले से ही मध्य पूर्व में तैनात हैं। इनमें से USS अब्राहम लिंकन ईरान के पास अरब सागर में और USS गेराल्ड आर फोर्ड भूमध्य सागर में इजरायल के पास तैनात है। CENTCOM ने ईरान पर हमले के दौरान F/A-18 और F-35 लड़ाकू विमानों के उड़ान भरने और लैंड करने का वीडियो जारी किया है। माना जा रहा है कि ये वीडियो USS अब्राहम लिंकन एयरक्राफ्ट कैरियर का है, क्योंकि, USS गेराल्ड आर फोर्ड पर F-35 लड़ाकू विमान तैनात नहीं हैं। अमेरिकी नौसेना के वीडियो में गाइडेड-मिसाइल डिस्ट्रॉयर को टॉमहॉक मिसाइलें दागते हुए भी दिखाया गया है। वर्तमान में ईरान के पास कम से कम 6 अमेरिकी आर्ले बर्क-क्लास डिस्ट्रॉयर तैनात हैं। इनमें से हर एक 96 टॉमहॉक मिसाइलों से लैस है। ये डिस्ट्रॉयर एजिस बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम से लैस हैं, जो खुद के साथ अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर को भी ईरानी ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलों से सुरक्षा प्रदान कर रहे हैं। अमेरिका ने ईरान के हमलों से खुद को और अपने मित्र राष्ट्रों की परिसंपत्तियों की रक्षा के लिए पैट्रियट और THAAD (टर्मिनल हाई-एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस) सिस्टम को तैनात किया हुआ है। हालांकि, इसकी जानकारी नहीं है कि अमेरिका ने ईरानी खतरे का सामना करने के लिए अब तक कितने पैट्रियट और THAAD इंटरसेप्टर फायर किए हैं। ईरान ने मध्य पूर्व में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाते हुए बड़े पैमाने पर ड्रोन और मिसाइलें दागी हैं। ऐसे में सैन्य विशेषज्ञों ने चिंता जताई है कि अगर ऐसा लंबे समय तक चलता रहा तो अमेरिका के पास इंटरसेप्टर मिसाइलों की कमी हो सकती है। शनिवार से ही अमेरिका ने ईरान के खिलाफ हमले में कई तरह के लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया है। CENTCOM का कहना है कि ईरान पर हमले में F-16, F/A-18, F-22 और F-35 लड़ाकू विमान शामिल हैं। हालांकि, इनके खास मिशन के बारे में कुछ नहीं बताया गया है। CENTCOM ने जो वीडियो जारी किया है, उसमें F/A-18 और F-35 लड़ाकू विमान नजर आ रहे हैं। CENTCOM ने यह भी बताया है कि उसने A-10 अटैक जेट भी तैनात किए हैं। F/A-18 लड़ाकू विमान पर आधारित EA-18G इलेक्ट्रॉनिक अटैक एयरक्राफ्ट दुश्मन के रडार और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को जाम कर सकता है। EA-18G ग्रोलर में जैमिंग पॉड्स, कम्युनिकेशन काउंटरमेजर और रडार होते हैं। इससे दुश्मन की देखने और सुनने की शक्ति खत्म हो जाती है। इसमें मिसाइलें भी लगाई जा सकती हैं, जो दुश्मन के रडार और कम्युनिकेशन सेंटर पर हमला कर सकते हैं। अमेरिकी वायुसेना और नौसेना दो अलग तरह के AWACS इस्तेमाल करते है। अमेरिकी वायुसेना E-3 सेंट्री और नौसेना E-2 हॉकआई AWACS का इस्तेमाल करती है। अमेरिकी वायुसेना का E-3 सेंट्री बड़ा AWACS है, जिसकी रेंज 250 किमी तक है। यह AWACS दुश्मन के एयरक्राफ्ट और जहाजों की पहचान कर सकता है और उन्हें ट्रैक कर सकता है। वहीं, अमेरिकी नौसेना का हॉकआई कम रेंज में ऐसे ही खतरों का पता लगा सकता है।

सऊदी पर मिसाइलें बरसा रहा ईरान, पाकिस्तानी सेना ने क्यों साधी चुप्पी, रक्षा समझौता करके दिया धोखा

एजेंसी इस्लामाबाद

सऊदी अरब की सरकारी तेल कंपनी अरामको की रिफाइनरी पर सोमवार को ईरान ने हमला किया है। अरामको ने बताया है कि उसकी रास तनुरा तेल रिफाइनरी को ड्रोन हमले के बाद अस्थायी तौर पर बंद करना पड़ा है। यह सऊदी अरब के रिफाइनिंग हब में से एक है। इस पर हमला पूरे इलाके के एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर को प्रभावित कर सकता है। ईरान ने अमेरिका और इजरायल के हमले का जवाब देते हुए जिन देशों को निशाना बनाया है, उनमें सऊदी अरब भी है। सऊदी पर हमले से पाकिस्तान की तरफ ध्यान गया है क्योंकि दोनों देशों ने बीते साल रक्षा समझौता किया है। पाकिस्तान ने बीते साल सऊदी अरब से बहद अहम रक्षा समझौता किया है। सितंबर में दोनों देशों के शीर्ष नेताओं और सैन्य नेतृत्व ने समझौते का ऐलान किया था। नाटो स्टाइल के इस समझौते में किसी एक देश पर अटैक को दोनों देशों पर हमला माना जाएगा। वहीं सऊदी अरब और ईरान के घटनाक्रम पर पाकिस्तान ने चुप्पी साध रखी है। पाकिस्तान ने सऊदी अरब के साथ स्ट्रेटेजिक म्यूचुअल डिफेंस एग्रीमेंट होने के बावजूद उसने मिलिट्री एक्शन के बजाय एकजुटता को प्राथमिकता दी है। पाकिस्तान ने ईरान का हालिया घटनाक्रम पर बहुत संतुलित बयानबाजी की है। इसकी एक अहम वजह उसके पड़ोसी देश ईरान के साथ ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और डिप्लोमैटिक रिश्ते हैं। इस्लामाबाद और तेहरान का हाई-लेवल विजिट और क्षेत्रीय मुद्दों पर सहयोग सहित द्विपक्षीय जुड़ाव है। ईरान ने पिछले क्षेत्रीय संकटों के दौरान पाकिस्तान के समर्थन की सार्वजनिक रूप से तारीफ की है, जो पारंपरिक रूप से दोस्ताना रिश्तों को दिखाता है। सऊदी से उसका संबंध बहुत पुराना है तो अमेरिका के साथ भी पाकिस्तान के रिश्ते हालिया महीनों में काफी बेहतर हुए हैं। ईरान के साथ हॉट वॉर में जाना इस्लामाबाद के लिए इसलिए भी खतरनाक है क्योंकि दोनों एक लंबा अस्थिर बॉर्डर शेयर करते हैं। ऐसी कोई लड़ाई पाकिस्तान की अपनी आबादी के अंदर अंदरूनी सेक्टेरियन फाल्ट लाइन को भड़का सकती

है। अमेरिका-इजरायल के ईरान पर हमले के खिलाफ कराची और लाहौर जैसे पाकिस्तानी शहरों में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए हैं। पाकिस्तानी जनता ने सड़कों पर आकर ईरान पर हमले के खिलाफ प्रदर्शन किया है और अमेरिकी कॉन्सुलेट को निशाना बनाया है। यह दिखाता है कि ईरान के खिलाफ कोई भी डायरेक्ट मिलिट्री एक्शन लेना पाकिस्तान के राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व के लिए कितना मुश्किल हो गया है। ऐसा कदम उनको अपने ही लोगों के बीच में अलोकप्रिय कर सकता है। एनालिस्ट का कहना है कि पाकिस्तान का सऊदी अरब के साथ समझौता फॉर्मल है। इसे ऑटोमैटिक मिलिट्री बढ़ोतरी की बिना शर्त गारंटी के बजाय एकजुटता का पॉलिटिकल सिग्नल माना जाता है। ऐसे में पाकिस्तान इस समझौते को बनाए रखते हुए युद्ध में सीधी दखल से दूर रहेगा। इसके अलावा पाकिस्तान फिलहाल अपने नॉर्थ-वेस्ट बॉर्डर पर अफगानिस्तान के साथ तकरीबन युद्ध जैसी स्थिति में है। भारत के साथ पाकिस्तान के रिश्ते लगातार तनापूर्ण रह हैं। ऐसे में पाकिस्तान की सेना किसी भी सूरत में ईरान के साथ एक नया फ्रंट खोलने की तरफ नहीं जाएगी। पाकिस्तान ने कोई आक्रामक बयान देने की बजाय शांति की अपील की है। इस्लामाबाद यूएन में चीन और रूस के साथ एक ड्राफ्ट रेजोल्यूशन को आगे बढ़ा रहा है, जिसमें लड़ाई में कोई पक्ष लेने के बजाय तुरंत और बिना शर्त सीजफायर की मांग की गई है। साफ है कि पाकिस्तान हाई-स्टेक बैलेंसिंग एक्ट पर बढ़ रहा है।

हिंद महासागर में नया विवाद, मालदीव और मॉरीशस में दरार, मुइज्जू बोले- चागोस पर नहीं छोड़ेंगे दावा

एजेंसी माले

भारत के पड़ोस में दो देशों के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। मालदीव और मॉरीशस चागोस द्वीपसमूह को लेकर आमने-सामने हैं। मॉरीशस ने तो मालदीव के इस द्वीपसमूह पर दावा करने और सैन्य तैनाती के खिलाफ कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए राजनयिक संबंध तोड़ लिए हैं। इस पर मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने मॉरीशस के इस कदम को नादानी और नासमझी भरा बताया है। मुइज्जू ने यहां तक कहा है कि इस तरह के फैसले से असलियत नहीं बदलती। मुइज्जू के इस बयान से दोनों देशों के बीच तल्खियां और ज्यादा बढ़ने की आशंका है।
मुइज्जू ने कहा, "भले ही वे मालदीव के साथ डिप्लोमैटिक रिश्ते तोड़ दें, अगर मॉरीशस चागोस पर संप्रभुता के लायक नहीं है, तो वे कभी भी इसके लायक नहीं होंगे।" मुइज्जू ने आगे कहा, "अगर कोई देश चागोस देता है, तो उसे उसके असली मालिक को सौंप देना चाहिए। इसलिए अगर कोई देश इस देश से रिश्ते तोड़ भी दे, तो भी यह बात नहीं बदलेगी। यह फैसला बिना सलाह-मशविरा किए लिया गया। बहुत नादानी। बहुत

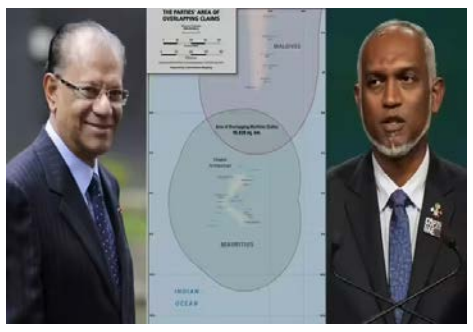

नासमझी। हमारा स्टैंड नहीं बदलेगा। हम पहले मालदीव की पॉलिसी के साथ आगे बढ़ेंगे।" मुइज्जू ने इन बयानों के बावजूद बिना कोई सलाह मशविरा किए चागोस द्वीपसमूह को लेकर देश के आधिकारिक रुख को बदल दिया। उन्होंने पुराने सीमा निर्धारण को खारिज कर दिया और मालदीव की नौसेना को इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस द्वारा मॉरीशस को दिए गए इलाके पर कब्जा करने का आदेश दिया। इसके बाद मालदीव की नौसेना के कई युद्धपोत चागोस द्वीपसमूह के आसपास देखे गए हैं। उन्होंने मॉरीशस की मछली पकड़े वाली नौकाओं को भी परेशान किया है। 5 फरवरी को मुइज्जू ने ऐलान किया था कि मालदीव, मॉरीशस के साथ सीमा तय करने के अंतरराष्ट्रीय अदालत के फैसले को नहीं मानेगा। उन्होंने मालदीव की संसद में भाषण देते हुए कहा, "मैरीटाइम एरियाज एक्ट में आइलैंड बेस पॉइंट्स का जिक्र करते हुए कहा, मैं इस नतीजे पर पहुंचा हूं कि SEZ वह एरिया है जो कानून में पहले से तय है, जिसमें तय किया गया मरीन एरिया भी शामिल है और मैं इसे आप माननीय पार्लियामेंट मेंबर्स के सामने ऐलान करता हूं।" चागोस द्वीप समूह हिंद महासागर में स्थित है। यह मॉरीशस का हिस्सा है, जिस पर लंबे समय से ब्रिटेन का अधिकार था। ब्रिटेन ने पिछले साल इस द्वीपसमूह की संप्रभुता मॉरीशस को सौंपने का ऐलान किया था। हालांकि, चागोस द्वीपसमूह में ब्रिटेन और अमेरिका का मिलिट्री बेस बना रहेगा और उनके ऑपरेशन पर मॉरीशस कोई आपत्ति नहीं जताएगा। ब्रिटेन ने यह कदम 2021 में इंटरनेशनल ट्रिब्यूनल फॉर द लॉ ऑफ द सीज (ITLOS) के फैसले के बाद उठाया था, जिसमें कहा गया था कि चागोस द्वीपसमूह पर ब्रिटेन का कोई अधिकार नहीं है। उस समय, ITLOS ने मालदीव के दक्षिण में बॉर्डर भी तय किया था।

कनाडा के पीएम मार्क कार्नी को याद आए स्वामी विवेदानंद,भारत और पीएम मोदी की जमकर तारीफ

एजेंसी नई दिल्ली

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की जमकर सराहना की है। उन्होंने पिछले एक दशक में उनके कार्यकाल में भारत में हुई प्रगति के लिए उनकी तारीफ की है और भारत-कनाडा संबंधों के लिए स्वामी विवेकानंद के विचारों को भी याद किया है। उन्होंने आपसी पार्टनरशिप के लिए विवेकानंद के विचारों को अपनाने का संकल्प भी जताया।
कनाडा के पीएम मार्क कार्नी ने पीएम मोदी के साथ बैठक के बाद संयुक्त संबोधन में स्वामी विवेकानंद को याद करते हुए उन्हें एक महान दार्शनिक बताया और उनकी ऐतिसाहिसक वैंकूवर यात्रा का जिक्र किया। उन्होंने कहा,'मुझे स्वामी विवेकानंद की याद आ गई, जो महान दार्शनिकों में से एक हैं...उनकी यात्राओं और किताबों में, उन्होंने अपने इन विचारों को चरितार्थ किया, 'उठो, जागो और तब तक मत रुको, जबतक लक्ष्य की प्राप्ति न कर लो।' कार्नी ने भारत और कनाडा की साझीदारी को लेकर आगे कहा,'इस पार्टनरशिप के बाद हम और आगे बढ़ेंगे, हम तब तक नहीं रुकेंगे, जब तक विकसित भारत 2047 और मजबूत कनाडा के लक्ष्य हासिल नहीं कर लिए जाते।'
पीएम मोदी के कार्यकाल की मार्क कार्नी तारीफ की
वहीं प्रधानमंत्री मोदी के बारे में कार्नी ने कहा, 'प्रधानमंत्री पिछले दशक में आपके नेतृत्व में भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना है। इस देश में प्रति व्यक्ति आय इस रफ्तार से बढ़ी है, जैसा इतिहास में कभी नहीं हुआ,मानव इतिहास में शायद ही कभी...कनाडा आपकी महत्वाकांक्षा और आपके उद्देश्य की भावना को समझता है।'
2023 में जी20 की प्रेसिडेंसी की थीम 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' का जिक्र करते हुए कनाडा के प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे समय में इन चुनौतियों से कोई भी एक देश अकेले नहीं निपट सकते।
कनाडा से रिश्तों को लेकर क्या बोले पीएम मोदी
इससे पहले हैदराबाद हाउस में दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय बातचीत में ट्रेड, इंवेस्टमेंट, डिफेंस, सिक्योरिटी, एजुकेशन, कल्चर, क्लीन एनर्जी, क्रिटिकल मिनरल्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सुपरकंप्युटिंग और मोबिलिटी पर आपस में विस्तार से चर्चा की।
पीएम मोदी ने अपने कनाडाई समकक्ष के साथ संयुक्त संबोधन के दौरान कहा, 'विश्व में बहुत ही कम लोग हैं, जिनके सीवी में दो देशों की सेंट्रल बैंकिंग लीडरशिप शामिल है। हमारी पहली बैठक के बाद से, हमारे रिश्ते में गर्मजोशी आई है, आपसी भरोसा और पॉजिटिविटी बढ़ी है।'

ईरान-इजरायल-US युद्ध में पहले भारतीय की मौत, ओमान बोला-टैंकर पर हमले में नाविक की गई जान

एजेंसी नई दिल्ली

ईरान और इजरायल-अमेरिका के बीच जारी भयानक युद्ध में पहले भारतीय की मौत की खबर आई है। ओमान ने जानकारी दी है कि एक टैंकर पर हुए बम हमले में एक भारतीय नाविक की जान चली गई। सोमवार को जानकारी दी गई है कि एक बन ले जाने वाले ड्रोन बोट से गिराए गए बम की चपेट में एक तेल टैंकर आ गया, जिससे उसपर सवार एक भारतीय नागरिक की जान चली गई। टैंकर पर मार्शल आइलैंड्स का झंडा लगा था। ओमान की सरकारी न्यूज एजेंसी ने जानकारी दी है कि यह हमला ओमान की खाड़ी में राजधानी मस्कट के तट पर हुआ है। जिस जहाज को निशाना बनाया गया है, उसकी पहचान एमकेडी व्योम (MKD VYOM)के रूप में की गई है। एपी न्यूज एजेंसी ने जानकारी दी है कि क्रू का वह सदस्य भारत का था।

ईरान की ओर से फारस की खाड़ी के संकड़े मुहाने होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों को लगातार धमकी मिल रही है। बताया जा रहा है कि इस क्षेत्र में उसने कई हमले किए हैं। ईरान की यह कार्रवाई उसपर इजरायल और अमेरिका की ओर से हुए संयुक्त हमले के खिलाफ है। 15 भारतीयों वाले एक और तेल टैंकर पर हुआ हमला
इस तेल टैंकर पर इस हमले की रिपोर्ट रविवार को ही आ गई थी, लेकिन मारे गए नाविक की नागरिकता की पहचान सोमवार को बताई गई है। हालांकि, अभी तक यह पक्के तौर पर नहीं बताया गया है कि तेल टैंकर पर बम गिराने वाला ड्रोन बोट किस देश का था? रविवार को ही एक और तेल टैंकर हमले की रिपोर्ट आई, जिसपर 15 भारतीय सवार थे। यह हमला भी ओमान के पास हुआ, जिनमें चार लोग जख्मी हो गए। ओमान के मैरीटाइम सिक्योरिटी सेंटर ने यह जानकारी नहीं दी कि हमला किस चीज से किया गया।

सुन्नी मुस्लिम देशों ने शिया ईरान को दिया धोखा, यहूदी इजरायल के बने `रक्षक'

एजेंसी रियाद

इजरायल और अमेरिका ईरान के इस्लामिक शासन को तहस-नहस करने के लिए दिन रात तेहरान समेत देशभर में बमबारी कर रहे हैं। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई मारे जा चुके हैं। ईरान अरब देशों जैसे सऊदी अरब, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, जॉर्डन जैसे देशों पर मिसाइल हमले कर रहा है। इस पूरी स्थिति ने मिडिल ईस्ट को बहुत बड़े खतरे में डाल दिया है। ईरान और मिडिल ईस्ट में शिया-सुन्नी सत्ता संघर्ष एक बार फिर क्षेत्रीय और वैश्विक राजनीति में ध्यान का केंद्र बन गया है। हालांकि ऊपर से देखने पर ये ऐसा नहीं लगता और कोई भी कह सकता है कि अमेरिका और इजरायल के इस हमले से भला अरब देशों का क्या लेना देना है। लेकिन इस पूरे युद्ध की स्क्रिप्ट को बहुत बारीक से देखें तो ये संघर्ष उसी कहानी का हिस्सा है। सिर्फ अमेरिका और इजरायल ही नहीं हैं जो ईरान में सत्ता परिवर्तन की वकालत करते हैं। सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान का डोनाल्ड ट्रंप को बार बार फोन करना और ईरान पर हमला करने के लिए दबाव बनाना इसी कहानी का अहम हिस्सा है। अगर ईरान में मौजूदा शासन का अंत होता है तो तुर्की, अजरबैजान, पाकिस्तान, जॉर्डन, सीरिया और सऊदी जैसे देश काफी ज्यादा खुश होंगे। मुसलमानों में शिया बनाम सुन्नी की लड़ाई आधुनिक दुनिया में शुद्ध रूप से राजनीतिक है। ये एक राजनीतिक झगड़ा था जो धीरे धीरे धार्मिक-सांप्रदायिक झगड़े में तब्दील हो गया। 1980 के दशक में शिया-सुन्नी झगड़े को तीन वजहों से बढ़ावा मिला। पहला- ईरान ने अपनी क्रांति को मिडिल ईस्ट के शिया अल्पसंख्यक वाले देशों जैसे इराक, लेबनान और खाड़ी देशों (यानी सऊदी अरब, बहरीन और कुवैत) में बेचने की कोशिश की। दूसरा- ईरान-इराक युद्ध (1980-1988) ने खोमैनी के ईरान (शिया और फारसी) को सद्दाम हुसैन के इराक (अरब राष्ट्रवादी) के खिलाफ खड़ा कर दिया जिसमें लाखों लोगों की जान चली गई और दोनों देश बर्बाद हो गए। तीसरा- ईरानी सरकार ने अपनी वैधता साबित करने के लिए क्षेत्रीय लक्ष्यों को फिर से एजेंडे में डाल दिया है। आबादी के हिसाब से देखें तो शिया मुसलमान दुनिया की मुस्लिम आबादी का लगभग 15 प्रतिशत हैं। प्यू रिसर्च सेंटर के अनुमान के मुताबिक ज्यादातर यानि लगभग 85 प्रतिशत सुन्नी हैं। लेकिन यह अल्पसंख्यक समूह लेबनान से इराक होते हुए ईरान तक फैला हुआ है और एक तरह से कॉरिडोर का निर्माण करता है। इनके लिए एक शब्द दिया गया है "शिया क्रिसेंट"। यह शब्द जॉर्डन के किंग अब्दुल्ला II ने 2004 में बनाया था। ईरान में शिया मुसलमानों की आबादी 90-95 प्रतिशत के करीब है। दुनिया में सबसे ज्यादा शिया मुसलमान यहीं रहते हैं। इराक में 60-65% शिया आबादी है लेकिन सद्दाम हुसैन जैसे तानाशाहों ने वर्षों तक यहां शासन किया। इराक में ईरान के प्रॉक्सी मिलिशिया समूह अभी भी काफी ताकतवर हैं। बहरीन में 70% शिया आबादी है लेकिन यहां का शासन सुन्नी अल-खलीफा परिवार के हाथों में है। इसीलिए ये ईरान से डरते हैं। बहरीन के शासकों को डर रहता है कि शिया आबादी कभी भी विद्रोह कर सकती है। सऊदी अरब- यहां सुन्नी (वहाबी) बहुमत है लेकिन इसके तेल समृद्ध पूर्वी प्रांत क़तिफ में बड़ी शिया आबादी रहती है। ये फारस की खाड़ी के पास है। सऊदी किंगडम को भी विद्रोह का डर सताता रहता है।

मजाक से महानायक तक का सफर! संजू सैमसन ने कैसे बदला टीम इंडिया का बैटिंग ब्लूप्रिंट, सूर्या और गंभीर भी हुए मुरीद

एजेंसी अहमदाबाद

अहमदाबाद की उस प्रेस कॉन्फ्रेंस से लेकर कोलकाता के ईडन गार्डन्स के शोर तक, भारतीय क्रिकेट में पिछले आठ दिनों के भीतर एक पूरी कहानी बदल गई है। आठ दिन पहले जब कप्तान सूर्यकुमार यादव से संजू सैमसन को टीम में शामिल करने पर सवाल हुआ था, तो उन्होंने इसे हंसकर टाल दिया था। लेकिन आज वही संजू सैमसन भारतीय बल्लेबाजी के नए ब्लूप्रिंट के सबसे बड़े नायक बनकर उभरे हैं। अहमदाबाद की वो हंसी और साउथ अफ्रीका से मिली करारी हार

आठ दिन पहले अहमदाबाद में अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा संघर्ष कर रहे थे। जब मीडिया ने संजू सैमसन को समाधान के रूप में पेश किया, तो सूर्या ने मजाक में पूछा था, टक्या मैं उन्हें तिलक या अभिषेक की जगह खिला दूं?' सूर्या अपने युवा खिलाड़ियों पर भरोसा बनाए रखना चाहते थे, लेकिन अगले ही दिन साउथ अफ्रीका के खिलाफ 76 रनों की शर्मनाक हार ने टीम मैनेजमेंट को सोचने पर मजबूर कर दिया। बाएं हाथ के बल्लेबाजों की अधिकता और ऑफ-स्पिन के खिलाफ कमजोरी ने भारत की पोल खोल दी थी। साउथ अफ्रीका से मिली हार के बाद संजू सैमसन को जिम्बाब्वे के खिलाफ चेन्नई में मौका दिया गया। यह सिर्फ एक बदलाव नहीं, बल्कि एक रणनीतिक मास्टरस्ट्रोक था। संजू के ओपनिंग में आने से विपक्षी टीमों के लिए ऑफ-स्पिन से शुरुआत करना कठिन हो गया। संजू ने वहां 15 गेंदों में 25 रन बनाकर लय पकड़ी, जिसका फायदा पूरी टीम को मिला। तिलक वर्मा नंबर-6 पर आए और उन्होंने 16 गेंदों में 44* रनों की तूफानी पारी खेलकर साबित किया कि संजू के आने से पूरी बल्लेबाजी का संतुलन सुधर गया है। रविवार को कोलकाता के मैदान पर संजू सैमसन ने जो किया, वह उनके करियर की सबसे यादगार पारी बन गई। 50 गेंदों में 97* रनों की इस पारी में कोई जल्दबाजी नहीं थी, कोई मसल्स दिखाने की कोशिश नहीं थी, बल्कि शुद्ध क्रिकेटिंग शॉट्स थे। अकील होसेन जैसे गेंदबाजों को उन्होंने बड़ी सहजता से सीमा रेखा के पार भेजा। गौतम गंभीर ने उनकी इस पारी की तारीफ करते हुए कहा कि संजू ने कभी पारी को एक्सेलरेट करने की कोशिश नहीं की, उन्होंने बस सामान्य क्रिकेट खेला और यही उनकी असली ताकत है। रोलां गैरो, पेरिस के टेनिस कोर्ट पर एक मशहूर लाइन लिखी है, 'जीत उसी की होती है जो सबसे ज्यादा जुझारू होता है।' संजू सैमसन का करियर इसी लाइन का प्रतिबिंब है। 2024 वर्ल्ड कप में एक भी मैच न खेल पाने से लेकर, टीम से अंदर-बाहर होने और बल्लेबाजी क्रम में लगातार बदलाव सहने के बावजूद संजू के चेहरे की मुस्कान कभी कम नहीं हुई। उन्होंने डगआउट में बैठकर अपनी बारी का इंतजार किया और जब मौका मिला, तो अपनी सबसे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय पारी खेल डाली। संजू की वापसी ने भारत की उस कमजोरी को दूर कर दिया है जो ऑफ-स्पिनर्स के खिलाफ दिख रही थी। अब भारत का टॉप ऑर्डर अधिक संतुलित और निडर नजर आ रहा है। सेमीफाइनल में इंग्लैंड जैसी मजबूत टीम के खिलाफ भारत अब उसी संजू मॉडल के साथ उतरेगा, जिसने पिछले दो मैचों में विरोधी टीमों के गेंदबाजी प्लान को ध्वस्त कर दिया है।

`मुझे नहीं पता डेटा क्या होता है!' गंभीर ने हीरो कल्चर को नकारा, संजू से ज्यादा दुबे के योगदान को सराहा

एजेंसी कोलकाता

भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने साफ कर दिया है कि उनके कार्यकाल में टीम इंडिया का चेहरा पूरी तरह बदलने वाला है। वेस्टइंडीज के खिलाफ मिली रोमांचक जीत के बाद गंभीर ने हीरो कल्चर पर कड़ा प्रहार करते हुए एक नई फिलॉसफी पेश की है, जिसमें बड़े शतकों से ज्यादा टीम के छोटे योगदानों को तवज्जो दी जाएगी। गौतम गंभीर ने मैच का विश्लेषण करते हुए एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि अक्सर हम सिर्फ सुर्खियों में रहने वाली पारियों की बात करते हैं, लेकिन उनकी नजर में शिवम दुबे द्वारा 19वें ओवर में लगाए गए दो चौके उतने ही महत्वपूर्ण थे जितने संजू सैमसन के 97 रन। गंभीर के मुताबिक, अगर दुबे वे बाउंड्री नहीं लगाते, तो शायद संजू की उस पारी की आज चर्चा भी नहीं हो रही होती। कोच ने स्पष्ट किया कि जब तक वह पद पर हैं, टीम में छोटे और निर्णायक योगदानों को बराबर का सम्मान मिलेगा। आज के दौर में जहां क्रिकेट पूरी तरह डेटा और एनालिटिक्स पर निर्भर है, गंभीर ने अपने

पुराने स्कूल वाले अंदाज से सबको चौंका दिया। उन्होंने कहा, 'मैं ईमानदारी से डेटा पर विश्वास नहीं करता। मुझे नहीं पता कि डेटा क्या होता है। टी20 क्रिकेट पूरी तरह आपकी अंतरात्मा की आवाज और हिम्मत पर टिका है।' गंभीर का मानना है कि मैदान पर डेटा से ज्यादा खिलाड़ी का अनुभव और उसका गट फीलिंग काम आता है और वह कप्तान को भी इसी आधार पर सलाह देते हैं। गौतम गंभीर ने भारतीय टीम की ताकत का जिक्र करते हुए कहा कि भारत भाग्यशाली है कि उसके पास जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती जैसे विश्व स्तरीय गेंदबाज हैं। उन्हें खेल के किसी भी चरण में इस्तेमाल किया जा सकता है। बल्लेबाजी पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि जब टीम के पास पावर हिटर्स होते हैं, तो आप कभी भी रन-चेज या खेल से बाहर नहीं होते। 5 मार्च को होने वाले सेमीफाइनल पर गंभीर ने कहा कि इंग्लैंड एक वर्ल्ड क्लास टीम है और वानखेड़े स्टेडियम हमेशा से एक चुनौतीपूर्ण मैदान रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारतीय टीम अपनी सर्वश्रेष्ठ रणनीति के साथ मैदान पर उतरेगी और देश के लिए कुछ खास करने के एक और मौके को भुनाएगी। गंभीर ने संकेत दिए कि इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबला आंकड़ों का नहीं, बल्कि जिगरे का होगा।

भारत और इंग्लैंड के बीच सेमीफाइनल की हैट्रिक, पिछली दो भिड़ंत के नतीजे क्या रहे

एजेंसी नई दिल्ली

टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में भारतीय टीम का सामना इंग्लैंड से है। 5 मार्च को वानखेड़े स्टेडियम में दोनों टीमों की टक्कर होगी। टी20 विश्व कप में लगातार तीसरी बार भारत और इंग्लैंड के बीच सेमीफाइनल मुकाबला खेला जा रहा है। 2022 और 2024 में हुए टूर्नामेंट में भी सेमीफाइनल में दोनों टीमों की टक्कर हुई थी। हम आपको उन दोनों मैचों के नतीजे बताते हैं। एडिलेड ओवल पर हुए इस सेमीफाइनल मुकाबले को इंग्लैंड ने 10 विकेट से जीता था। हार्दिक पंड्या के 63 और विराट कोहली को 50 रनों की पारी की मदद से भारत ने 6 विकेट पर 168 रन बनाए। इंग्लैंड ने 4 ओवर रहते ही लक्ष्य चेज कर लिया था। एलेक्स हेल्स के बल्ले से 47 गेंद पर 86 रन निकले जबकि जोस बटलर ने 49 गेंद पर 80 रन बनाए थे। इंग्लैंड की टीम ने उस टूर्नामेंट को भी अपने नाम किया था। 2024 में गुयाना को जॉर्जटाउन में भारत और इंग्लैंड की भिड़ंत सेमीफाइनल में हुई। रोहित शर्मा ने 57 और सूर्यकुमार यादव ने 47 रनों

की पारी खेलकर भारत को 171 रनों तक पहुंचा दिया। 17वें ओवर में इंग्लैंड की टीम सिर्फ 103 रनों पर ऑलआउट हो गई। भारत ने मैच को 68 रनों से बड़े अंतर से अपने नाम किया। कुलदीप यादव और अक्षर पटेल ने 3-3 जबकि जसप्रीत बुमराह ने दो शिकार किए थे। भारतीय टीम ने फाइनल जीतकर टी20 विश्व कप 2024 को भी अपने नाम किया था। भारत और इंग्लैंड के बीच पिछले दोनों सेमीफाइनल मुकाबले एकतरफा रहे हैं। इस बार मुकाबला मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम पर है। इंग्लैंड की टीम लय में नहीं है लेकिन इसके बाद भी किसी तरह मैच जीत रही है। नेपाल और इटली के खिलाफ ग्रुप राउंड में उसे जैसे तैसे जीत मिली थी। सुपर-8 में भी उसके सभी मैच टक्कर वाले रहे। भारतीय टीम भी अपने चिर परिचित अंदाज में क्रिकेट नहीं खेल रही है। टीम के कई खिलाड़ी फॉर्म से जूझ रहे हैं।

सौरव गांगुली ने टीम इंडिया को दी चेतावनी, सेमीफाइनल में इंग्लैंड की चुनौती पर भी बोले- संजू को अब ड्रॉप मत करना

एजेंसी कोलकाता

ईडन गार्डन्स में संजू सैमसन के ऐतिहासिक 97 रनों के धमाके की गूंज अभी थमी नहीं है। इस शानदार जीत के साथ भारत सेमीफाइनल में पहुंच चुका है और अब पूर्व भारतीय कप्तान व बंगाल टाइगर सौरव गांगुली ने संजू की पारी पर अपनी मुहर लगा दी है। गांगुली ने न केवल संजू की प्रतिभा की तारीफ की, बल्कि चयनकर्ताओं को एक कड़ा संदेश भी दिया है। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के अध्यक्ष सौरव गांगुली संजू के प्रदर्शन से बेहद प्रभावित दिखे। उन्होंने कहा कि सैमसन एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं और उन्हें भारत के लिए व्हाइट बॉल क्रिकेट में अब लगातार खेलना चाहिए। गांगुली के अनुसार, संजू उस श्रेणी के खिलाड़ी हैं जो एक बार क्रीज पर जम जाएं, तो विपक्षी टीम को तहस-नहस करने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि संजू ने बहुत ही नाजुक और दबाव वाली स्थिति में यह पारी खेलकर अपनी परिपक्वता साबित की है। वेस्टइंडीज को हराने के बाद अब टीम इंडिया 5 मार्च को मुंबई के ऐतिहासिक वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड से भिड़ेगी। यह मुकाबला काफी रोमांचक होने वाला है क्योंकि 2024 के सेमीफाइनल में भारत ने स्पिन की मदद से इंग्लैंड को गयाना में धूल चटाई थी। हालांकि, मुंबई की पिच बल्लेबाजों की मददगार मानी जाती है, जिससे मुकाबला और भी कड़ा हो जाएगा। हैरी ब्रूक की कप्तानी वाली इंग्लिश टीम इस समय शानदार फॉर्म में है, लेकिन सेमीफाइनल का दबाव कुछ अलग ही कहानी लिख सकता है। गांगुली ने भारतीय टीम को आगाह करते हुए कहा कि इंग्लैंड की टीम वेस्टइंडीज की तुलना में कहीं अधिक मजबूत और संतुलित है। उन्होंने सुझाव दिया कि वानखेड़े की परिस्थितियों को देखते हुए टीम इंडिया को अपनी रणनीति और एप्रोच में बदलाव करना होगा। गांगुली का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबला मुख्य रूप से दोनों टीमों के स्टार बल्लेबाजों के बीच एक पावर गेम होगा, जहां परिस्थितियों को जल्दी समझने वाली टीम ही बाजी मारेगी। आंकड़ों की बात करें तो संजू ने 197 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 194 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। उनकी 50 गेंदों की पारी में 12 चौके और 4 गगनचुंबी छक्के शामिल थे। गांगुली ने स्पष्ट किया कि संजू की यही निडरता उन्हें बड़े मैचों का खिलाड़ी बनाती है। दादा की इस प्रतिक्रिया के बाद अब चयनकर्ताओं पर भी दबाव होगा कि वे संजू की इस निरंतरता को बरकरार रखने के लिए उन्हें भविष्य के दौरों पर भी नियमित स्थान दें।

व्यापार

पीएफ पर इस बार कितना मिलेगा ब्याज ? EPFO ले लिया फैसला, अकाउंट में कब आएगी रकम

एजेंसी नई दिल्ली

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) जमा पर 8.25 फीसदी ब्याज दर को मंजूरी दे दी है। यह लगातार दूसरा साल है जब ब्याज दर में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली में आयोजित केंद्रीय न्यासी बोर्ड (CBT) की 239वीं बैठक में ईपीएफ की ब्याज दर को लेकर यह फैसला लिया गया। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने की।

ईपीएफओ ने 2019-20 के लिए भविष्य निधि जमा पर ब्याज दर को 2018-19 के लिए निर्धारित 8.65 प्रतिशत से घटाकर सात वर्षों में सबसे कम 8.5 प्रतिशत कर दिया था।

वित्त वर्ष 2016-17 में अपने ग्राहकों को 8.65 प्रतिशत और 2017-18 में 8.55 प्रतिशत ब्याज दर प्रदान की थी। 2015-16 में ब्याज दर थोड़ी अधिक यानी 8.8 प्रतिशत थी।

वित्त वर्ष 2013-14 और 2014-15 दोनों वर्षों में 8.75 प्रतिशत की ब्याज दर दी, जो 2012-13 की 8.5 प्रतिशत दर से अधिक थी। 2011-12 में ब्याज दर 8.25 प्रतिशत थी।

सीबीटी के फैसले के बाद प्रस्तावित ब्याज दर को अंतिम स्वीकृति के लिए वित्त मंत्रालय को भेजा जाएगा। औपचारिक मंजूरी मिलने के बाद 7 करोड़ से अधिक ईपीएफओ सदस्यों के खातों में नई ब्याज दर के अनुसार रकम जमा की जाएगी।

ईपीएफ पर ब्याज की गणना मासिक आधार पर की जाती है, लेकिन इसे वित्त वर्ष के आखिर में अकाउंट में जमा किया जाता है। हालांकि, जो खाते 36 महीने तक निष्क्रिय रहते हैं, उन पर आगे ब्याज नहीं मिलता और उन्हें डॉर्मेंट माना जाता है।

एकमुश्त अमनैस्टी स्कीम को भी मंजूरी

सीबीटी बोर्ड ने आयकर मान्यता प्राप्त ट्रस्टों से जुड़े अनुपालन मुद्दों के समाधान के लिए एकमुश्त अमनैस्टी योजना को भी स्वीकृति दी। यह योजना Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 के प्रावधानों के तहत लागू होगी। प्रस्तावित योजना के तहत छह माह की निर्धारित अवधि में संस्थानों और ट्रस्टों को अनुपालन का अवसर दिया जाएगा। जिन संस्थानों ने वैधानिक योजना के बराबर या बेहतर लाभ दिए हैं, उनके लिए क्षतिपूर्ति, ब्याज और दंड में छूट का प्रावधान रहेगा। इस कदम से 100 से अधिक लंबित कानूनी मामलों के समाधान की उम्मीद है, जिससे हजारों ट्रस्ट सदस्यों को लाभ मिलेगा।

61000 एक रात का किराया, बेसमेंट में कंक्रीट के फर्श पर गुजर रही रात, ईरान हमले के बाद दुबई में होटल का बदला नजारा

एजेंसी नई दिल्ली

ईरान-इयरायल हमले का असर ईरान के पड़ोसी देश यूएई पर भी दिखाई दे रहा है। यहां दुबई में ईरान के हमले के कई वीडियो वायरल हुए हैं। दुबई का इंटरनेशनल एयरपोर्ट बंद है। वहां भारत समेत कई देशों के लोग फंसे हैं। स्थानीय सरकार ने लोगों से अपील की है कि वे सुरक्षित जगह चले जाएं। काफी लोग होटल में रुके हुए हैं। इस बीच दुबई में होटल की मांग बढ़ने से किराए में कुछ तेजी देखी जा रही है। इंग्लैंड के एक शख्स के मुताबिक यहां एक रात का किराया 60 हजार रुपये पार चला गया है। बिजनेस इनसाइडर के मुताबिक ब्रिटेन के लग्जरी इंटीरियर डिजाइनर कुणाल त्रेहान (Kunal Trehan) इन दिनों दुबई में फंसे हुए हैं। ईरान के हमले के कारण कई फ्लाइट कैंसिल हुईं, जिनमें उनकी रिटर्न फ्लाइट भी शामिल थी। ऐसे में वह अपने दोस्त के साथ एक होटल में रुके हुए हैं। इस होटल का एक रात का किराया 670 डॉलर (करीब 61 हजार रुपये) है। यह किराया अमूमन 2 से 6 हजार रुपये के बीच होता है। कुणाल 20 फरवरी को अपने बिजनेस के सिलसिले में यूएई पहुंचे थे। उन्हें 28 फरवरी की रात 10:20 बजे यूके वापस लौटना था।

जिस दिन उनकी फ्लाइट थी, उसी दिन दोपहर के समय बीच पर आराम करते हुए उन्हें धमाके जैसी आवाज सुनाई दी। शुरुआत में उन्हें लगा कि कहीं कोई तोड़फोल चल रही है। शायद यह उसी की आवाज है। लेकिन कुछ ही देर में उन्हें माजरा समझ में आ गया। आवाज के कुछ ही देर बाद दोस्तों और परिवार के वॉट्सऐप मैसेज आने लगे, जिनमें उनकी सलामती के बारे में पूछा जा रहा था। इसके बाद उन्होंने कतर एयरवेज के ऐप पर अपनी फ्लाइट का स्टेटस चेक किया। तब उन्हें पता चला कि उनकी फ्लाइट रद्द कर दी गई है। कुणाल ने बताया कि उन्हें शाम तक कई और धमाके सुनाई दिए। आसमान में मिसाइलों की रोशनी दिखाई दी। ऐसे में होटल स्टाफ ने वहां मौजूद लोगों को बालकनी छोड़ कमरों में जाने और पर्दे बंद रखने को कहा। इससे होटल लॉबी में अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। आधी रात के करीब उनके फोन पर सरकार की ओर से इमरजेंसी अलर्ट आया, जिसमें किसी सुरक्षित स्थान पर जाने की हिदायत दी गई थी। तभी होटल स्टाफ ने दरवाजा खटखटाकर पासपोर्ट और जरूरी सामान लेकर बेसमेंट में आने को कहा। कुणाल ने बताया कि जब वह होटल के बेसमेंट में गए तो वहां का नजारा काफी अलग था। होटल के बेसमेंट में कंक्रीट के फर्श पर लोग बैठे थे, बुजुर्गों के लिए कुर्सियों की व्यवस्था की गई थी। स्टाफ ने तकिए और कंबल देकर लोगों को शांत रखने की कोशिश की। कुणाल के मुताबिक स्थानीय स्टाफ भी इस तरह की स्थिति से पहली बार गुजर रहा था। करीब तीन घंटे बाद वह अपने कमरे में लौटे। होटल मैनेजमेंट ने मेहमानों को फिलहाल बाहर न निकलने की सलाह दी है। ईरान हमले के बाद होटल में जो विदेशी रुके हुए हैं, उन्हें रहने और खाने-पीने पर काफी रकम खर्च करनी पड़ रही है। फ्लाइट कैंसिल होने या देरी से उड़ने के मामले में एयरलाइन की तरफ से सारा खर्च उठाया जाता है। हालांकि दुबई में जो स्थिति है, उसमें खर्च एयरलाइन देगी या सरकार, इसे लेकर अभी कुछ स्पष्ट जानकारी नहीं है।

मिडिल ईस्ट तनाव के बीच रॉकेट बने डिफेंस स्टॉक्स, पारस के शेयर में 13% से ज्यादा तेजी

एजेंसी नई दिल्ली

ईरान-इजरायल वॉर और मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच सोमवार को भारतीय शेयर बाजार ने बड़ा गोता लगाया। बीएसई सेंसेक्स में 1000 अंकों से ज्यादा की गिरावट आई। वहीं दूसरी और इस गिरावट के बीच डिफेंस स्टॉक्स ने गजब की तेजी दिखाई। इनमें 13 फीसदी से ज्यादा की उछाल देखा गया। इस तेजी को ईरान-इजरायल युद्ध से जोड़कर देखा जा रहा है। सोमवार को डिफेंस स्टॉक्स में सबसे ज्यादा तेजी पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज (Paras Defence and Space Technologies) के शेयर में देखने को मिली। इसके शेयर 13.5% तक चढ़ गए। इसके अलावा हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (Hindustan Aeronautics Limited- HAL), भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (Bharat Electronics Limited- BEL) और भारत डायनामिक्स लिमिटेड (Bharat Dynamics Limited) के शेयरों में भी बीएसई पर जबरदस्त उछाल आया। सोमवार को यह गिरावट के साथ 610.05 रुपये पर खुले, लेकिन बाद में इसमें तेजी आई। दिन में कारोबार के दौरान यह शेयर 13.14 फीसदी की तेजी के साथ 722.20 रुपये पर पहुंच गया था। बाद में इसमें गिरावट आई और कारोबार के अंत में यह शेयर 5.95% की बढ़त के साथ 676.25 रुपये पर बंद हुआ। यह शेयर शुक्रवार को 3914 रुपये पर बंद हुआ था। सोमवार को यह गिरावट के साथ 3738.05 रुपये पर खुला। दिन में इसमें तेजी आई कारोबार के दौरान यह 1.75 फीसदी उछलकर 3982.60 रुपये पर पहुंच गया था। बाद में इसमें भी कुछ गिरावट देखी गई। कारोबार के अंत में यह शेयर करीब 1 फीसदी की बढ़त के साथ 3951.75 रुपये पर बंद हुआ। शुक्रवार को यह डिफेंस स्टॉक 444.45 रुपये पर बंद हुआ था। सोमवार को यह गिरावट के साथ 442 रुपये पर खुला, लेकिन बाद में इसमें भी तेजी आई। दिन में कारोबार के दौरान यह शेयर 2.78 फीसदी उछलकर 456.80 रुपये पर पहुंच गया था।

ब्लड मून क्या होता है ? पूर्ण, आंशिक और उपच्छाया चंद्रग्रहण में अंतर

ग्रहण एक दुर्लभ और खास खगोलीय घटना है। यह तब होता है जब सूर्य, चंद्रमा और पृथ्वी एक दूसरे के बीच में आ जाते हैं। हालांकि, वैदिक ज्योतिष में सूर्य और चंद्र ग्रहण दोनों को ही अशुभ माना गया है। माना जाता है कि इस दौरान ग्रहण की नकारात्मक ऊर्जा प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करती है। 3 मार्च 2026 को साल का पहला चंद्र ग्रहण लगने जा रहा है। खास बात यह है कि इस दौरान दौरान चंद्रमा लाल रंग में नजर आएगा। इस खूबसूरत घटना को ब्लड मून कहा जाता है। इस लेख के माध्यम से हम जानेंगे कि चंद्रग्रहण कितने प्रकार के होते हैं और इनमें क्या अंतर होता है।

चंद्र ग्रहण कब लगता है, वैज्ञानिक दृष्टि से चंद्रग्रहण बेहद महत्वपूर्ण खगोलीय घटना है। पृथ्वी के चारों तरफ चंद्रमा चक्कर लगाता है, जबकि पृथ्वी सूर्य के चारों तरफ चक्कर लगाती है। सूर्य और चंद्रमा के बीच पृथ्वी के आने से चंद्रग्रहण लगता है। इस घटना के दौरान सूर्य की रोशनी चंद्रमा तक नहीं पहुंच पाती और पृथ्वी की छाया चंद्रमा को ढक देती है। इसे ही चंद्रग्रहण कहा जाता है। चंद्रग्रहण मुख्य रूप से तीन तरह के होते हैं- पूर्ण चंद्रग्रहण, आंशिक चंद्रग्रहण और उपच्छाया चंद्रग्रहण।

पूर्ण चंद्र ग्रहण के दौरान सूर्य और चंद्रमा के बीच पृथ्वी आ जाती है। जिससे सूर्य की रोशनी पूरी तरह से चंद्रमा से कट जाती है। जब चंद्रमा पृथ्वी की गहरी छाया (उम्ब्रा) से होकर गुजरता है तो उसे पूर्ण चंद्र ग्रहण कहते हैं।

ब्लड मून पूर्ण चंद्र ग्रहण के दौरान ही देखी जाने वाली घटना है। सूर्य, पृथ्वी और चंद्रमा एक सीध में आ जाते हैं। ऐसे में पृथ्वी के वायुमंडल से छनकर आने वाली सूर्य की रोशनी के कारण चंद्रमा लाल रंग का नजर आता है।

आंशिक चंद्र ग्रहण चंद्र ग्रहण का दूसरा प्रकार आंशिक चंद्र ग्रहण होता है। आंशिक चंद्र ग्रहण के दौरान पृथ्वी की छाया (उम्ब्रा) का सिर्फ एक हिस्सा ही चंद्रमा पर पड़ता है। इससे चंद्रमा का कुछ हिस्सा छिप जाता है और कुछ दिखाई देता है। इसे ही आंशिक चंद्र ग्रहण कहते हैं।

उपच्छाया चंद्र ग्रहण चंद्र ग्रहण का तीसरा प्रकार उपच्छाया चंद्र ग्रहण होता है। चंद्रमा जब पृथ्वी की हल्की छाया (पेनम्ब्रा) से होकर गुजरता है तो उसे उपछाया चंद्रग्रहण कहते हैं। इसमें चंद्रमा सामान्य से हल्का धुंधला नजर आता है। इसे सामान्य आंखों से देख पाना लगभग मुश्किल होता है।

इन 5 तिथियों पर घर में रोटी बनाने से बचें, जानिए क्या कहता है वास्तु शास्त्र

हिंदू धर्म में कुछ खास तिथियां ऐसी होती हैं, जिन पर घर में ताजी रोटी बनाना वर्जित माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, कुछ विशेष तिथियों पर रोटी बनाने से घर में नकारात्मक ऊर्जा आ सकती है और परिवार की खुशहाली पर असर पड़ सकता है। ज्योतिषियों और वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार, इन दिनों रोटी बनाने से घर में दरिद्रता, माता लक्ष्मी और अन्नपूर्णा की नाराजगी, नकारात्मक ऊर्जा, और यहां तक कि पितरों का अपमान जैसी परेशानियां हो सकती हैं। इसलिए यह जानना बहुत जरूरी है कि वास्तु शास्त्र के अनुसार वे 5 खास तिथियां कौन-सी हैं, जब घर में रोटी बनाना वर्जित माना गया है।

नागपंचमी के दिन तवा या चूल्हे पर रोटी बनाना वर्जित माना जाता है। तवा को नाग देवता का प्रतीक माना जाता है। इस दिन अगर तवा पर रोटी बनाई जाए, तो ऐसा माना जाता है कि नाग देवता रुष्ट हो सकते हैं और परिवार पर अशुभ प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए, नागपंचमी के दिन रोटी बनाने के लिए केवल कढ़ाई या पतीले का इस्तेमाल करें, ताकि घर में शांति और खुशहाली बनी रहे।

शरद पूर्णिमा का दिन धन और सौभाग्य की देवी लक्ष्मी के प्रकट होने का प्रतीक माना जाता है। इस दिन खीर या पूरी बनाना शुभ होता है, लेकिन रोटी बनाना अशुभ माना जाता है। शास्त्रों के अनुसार, चांद की रोशनी में रखी गई खीर का सेवन करने से सौभाग्य और समृद्धि बढ़ती है। इसलिए इस दिन रोटी की बजाय खीर और पूरी बनाना ही उत्तम माना जाता है।

शीतला अष्टमी के दिन माता शीतला को बासी भोजन का भोग अर्पित किया जाता है। इस दिन ताजी रोटी बनाना वर्जित माना गया है। घर में केवल एक दिन पहले तैयार ठंडा खाना ग्रहण किया जाता है। यह परंपरा न केवल धार्मिक महत्व रखती है, बल्कि इसे स्वास्थ्य और परिवार की समृद्धि के लिए भी शुभ माना जाता है।

दीपावली वास्तु शास्त्र के अनुसार दीपावली के दिन घर में रोटी बनाना अशुभ माना जाता है। इस दिन केवल विशेष पकवान जैसे हलवा, पूरी और खीर ही बनाना शुभ होता है। माता लक्ष्मी के स्वागत के लिए यह परंपरा बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है।

घर में मृत्यु होने पर यदि परिवार में किसी सदस्य का निधन हो जाए, तो तेरहवीं संस्कार पूर्ण होने तक घर में रोटी बनाना वर्जित माना जाता है। यह समय शोक का होता है और माना जाता है कि इस दौरान घर की ऊर्जा बहुत संवेदनशील रहती है। इस अवधि में घर में साधारण भोजन या पहले से बनी हुई चीजें ही ग्रहण की जाती हैं।

इस बार है होली पर चंद्रग्रहण, संभलकर खेलें होली, हास्य राशिफल को गंभीरता से लें

फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा पर चन्द्रमा का संचरण सिंह राशि में है। ग्रहण की वजह से होलिका दहन की तारीख और समय को लेकर असमंजस की स्थिति बनी है, लेकिन राशिफल अचूक है। जानें मेष से मीन राशि का हास्य राशिफल।

मेष राशि- होली पर आपकी राशि से पंचम प्रेम स्थान पर चंद्रमा संचार करेगा, अतः अगर जीवन में कभी भी प्रेम का इजहार न कर पाए हों तो होली पर प्रेम का इजहार रंग लगाकर अवश्य करें क्योंकि ग्रह बल सहायक है। ज्योतिषीय भविष्यवाणी संकेत है, गारंटी नहीं, अगर भविष्यवाणी गलत हो गई तो भी घबराने की कोई बात नहीं है, "बुरा न मानो होली है" कहकर अपना मान, सम्मान बचा सकते हैं।

वृष राशि- चतुर्थ चन्द्रमा हमेशा कलहकारी और चिन्ताजनक परिस्थितियां उत्पन्न करता है, इसलिए जब आपको लोग रंग लगाने आएँ तो अक्लमंदी इसी में है कि चुपचाप रंग लगवा लें वरना कलह-क्लेश, छीना-झपटी के कारण आपके कपड़े फट सकते है। उपाय के रूप में इस उपदेश को गांठ बांध लें, कृपया आज आप मौन व्रत रखें, क्योंकि कोई आपसे वाद-विवाद कर अपने मन को तृप्त कर सकता है।

मिथुन राशि - ग्रहण का फल भी आपके लिए शुभ है। हर बार की तरह इस बार की होली आपके लिए महत्वपूर्ण होगी, जी भरकर गुब्बारे मारें, निशाना अचूक होगा। आज आप घर के सभी खिड़की-दरवाजे खोलकर रखें। आपकी किस्मत का दरवाजा खुलने वाला है। इसके बाद आपको दीपावली पर घर में रंग-रोगन कराने की आवश्यकता नहीं होगी। इस तरह आपका धन भी बचेगा।

कर्क राशि- ग्रहण भी आपके लिए चिन्ताओं को लेकर आ रहा है, होली पर रहें सावधान, कोई कीचड़ आप पर लगा सकता है। आज आपके हाथ एक खजाना लगने वाला है, इसलिए आप सुबह उठने से पहले और रात को सोने के बाद ही कुछ काम करें। होली पर पानी से ज्यादा न खेलें, जुकाम हो सकता है, जल ही जीवन है, इसे जरूर बचाएं।

सिंह राशि- चन्द्रमा आपकी राशि में ही संचार कर रहा है, सन्मुख चन्द्रमा का फल ग्रहण के कारण निष्फल हो रहा है, ग्रहण घात लगाए बैठा है, घर पर ही रहें, होली पर हुड़दंग से दूर हरें, वरना लेने के देने पड़ सकते हैं। अपनी आदत अनुसार आज आप किसी पर बुरी नजर न डालें अन्यथा वह आज आप पर मेहरबान हो सकता है। आदत में परिवर्तन करने से होली के बाद सुख-शांति दोनों आपके जीवन में आएगी।

कन्या राशि- इस बार होली पर लगने वाला ग्रहण आपका खर्चा बढ़ाएगा। आज आप जो करें लिमिट में ही करें, वरना जोर का झटका धीरे से लग सकता है। इधर-उधर न झांकें गुब्बारा मुंह पर लग सकता है। आचरण का विशेष ध्यान रखें, क्योंकि यही आगे जाकर भाग्य को बनाता अथवा बिगाड़ता है।

हास्य राशिफल है, तुला से मीन राशि का फल अगले दिन आपको देखने को मिलेगा।

तुला राशि- होली पर ग्रह गोचर तुला राशि वालों के पक्ष में है, आपको रंग खरीदने के लिए पैसा खर्च करने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि चन्द्रमा आपका ग्यारहवें लाभ स्थान पर संचार कर रहा है। दूसरों के द्वारा लाए गए रंगों से आप होली खेलने में सफल रहेंगें। ग्रहण भी आपके लिए अनुकूल है, इसलिए कोई खतरा नहीं है, यदि आप बॉस हैं तो होली पर अपने अधीनस्थ कर्मचारियों से दोगुना काम कराएं, ताकि होली के बाद आपको फायदा मिले। भविष्यवाणी का यही फायदा है, शुभ समय में दोगुनी मेहनत।

वृश्चिक राशि- चन्द्रमा आपकी राशि से कर्म स्थान पर संचार कर रहा है जिसके फलस्वरूप जितना करेंगे कर्म अर्थात जितना लगाएंगे रंग उतनी मिलेगी मस्ती। आज जो सोच रहे हैं उस काम में सफलता अवश्य मिलेगी, लेकिन अपनी धर्मपत्नी अथवा धर्मपति को पहले से ही नए वस्त्र अवश्य लाकर दे दें, वरना कार्यों में बाधा आ सकती है।

धनु राशि- भाग्य होली के दिन आपका साथ देने वाला है, अगर आप न रंग लगवाना चाहें तो आपको कोई भी रंग नहीं लगा सकता, हां बस कुछ एलर्जी का खतरा है, जिसके लिए अपने डॉक्टर से एलर्जी होने से पहले ही सम्पर्क कर दवा सुनिश्चित करें। दुर्घटना से सावधानी भली की तर्ज पर होली के दिन फूंक-फूंक कर कदम रखें।

मकर राशि- होली पर आप गुब्बारों की मार से बचें, होली पर रहें सावधान क्योंकि अष्टम चन्द्रमा के कारण आप कहीं पर भी फिसल कर गिर सकते हैं। होली का समय आपके लिए ठीक नहीं है, क्योंकि ग्रहण का फल भी आपके लिए प्रतिकूल है।

कुम्भ राशि- होली के अवसर पर आप दोस्तों के साथ होली पर घूमने जाएं तो सावधानी पूर्वक जाएं, होली पर भांग आदि किसी भी प्रकार के नशे का सेवन न करें क्योंकि ग्रहण लगा हुआ है, ग्रह स्थिति अनुसार विपरीत परिणाम आ सकते हैं। हल्की-फुल्की होली टेसू के फूल से खेलें अथवा ऑर्गेनिक रंगों का प्रयोग करें।

मीन राशि- होली की पूर्णिमा पर ग्रहण आपको सर्वसुख देने के लिए बेताब है। होली पर बिना कुछ खास किए ही रंग चोखा होगा। कर्मफल भाग्यफल से जुड़ा हुआ है, इसलिए पहले के किए गए शुभाशुभ कर्म आपको होली पर शुभाशुभ परिणाम देंगे। जीभर कर सबको रंग लगाए, कहते हुए, बुरा न मानो होली है।

आर्थिक राशिफलः चंद्र ग्रहण और ग्रहों का महासंगम करियर और वित्त में बड़े बदलावों का संकेत

मेष राशि आज आपके करियर में "रुको और देखो" की नीति अपनाना ही बुद्धिमानी होगी। वक्री ग्रहों के प्रभाव के कारण किसी भी नए बड़े काम की शुरुआत करने या कानूनी दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने से बचें। आज नई योजनाएं बनाने के बजाय अपनी पुरानी गलतियों को सही करने पर ध्यान केंद्रित करें। आर्थिक रूप से, वक्री गुरु की सलाह है कि आज कोई नया निवेश या जोखिम न लें। हालांकि, अच्छी खबर यह है कि आपका पुराना रुका हुआ पैसा वापस मिल सकता है या आप किसी ऐसी पुरानी बचत को खोज सकते हैं जिसे आप भूल गए थे।

वृषभ राशि के मोर्चे पर आज "धैर्य" ही आपका सबसे बड़ा हथियार है। मंगल और राहु आपको जल्दबाजी में निर्णय लेने के लिए उकसाएंगे, लेकिन वक्री बुध गलतियां करवा सकते है। आज नई शुरुआत करने के बजाय पुराने अधूरे कामों को निपटाने पर ध्यान दें।

आर्थिक स्थिति में वक्री गुरु का संकेत है कि कमाई की रफ्तार थोड़ी धीमी रह सकती है। नया बिजनेस शुरू करने या बड़ा निवेश करने के लिए आज का दिन सही नहीं है। पुराने निवेशों की जांच करें और फालतू खर्चों पर लगाम लगाएं; बचत पर ध्यान देना ही आज की जरूरत है।

मिथुन राशि के मामले में आज आपकी समझदारी की जांच है। ऑफिस में बड़ी-बड़ी बातें करने के बजाय अपने काम पर ध्यान दें। आज कोई नई योजना शुरू करने के बजाय अपने आने वाले हफ्तों के काम को व्यवस्थित करें। आर्थिक दृष्टि से, वक्री गुरु का होना यह संकेत देता है कि खर्च पर लगाम लगाने का समय आ गया है। कोई भी बड़ा आर्थिक जोखिम न लें, भले ही आपको कितना भी "लकी" महसूस हो। अच्छी बात यह है कि पुराने निवेशों से लाभ होने या पुराना रुका हुआ पैसा वापस मिलने की संभावना बनी हुई है।

कर्क राशि में अभी आप एक बदलाव के दौर से गुजर रहे हैं। शायद आपको लगे कि आपके काम को वह पहचान नहीं मिल रही है जिसके आप हकदार हैं, लेकिन शनि आपकी नींव मजबूत कर रहे हैं। आज दिखावे के बजाय काम की बारीकियों को समझने पर ध्यान दें। आर्थिक रूप से ग्रहण की चेतावनी हैः आज बिना सोचे-समझे खर्च न करें और एक इमरजेंसी फंड तैयार रखें। नया पार्टनरशिप बिजनेस शुरू करने के लिए दिन अच्छा नहीं है। पुराने हिसाब-किताब को ठीक करने और भविष्य की आर्थिक योजना बनाने के लिए आज का दिन शुभ है।

सिंह राशि आज आप नेतृत्व करना चाहते हैं, लेकिन

वक्री ग्रह कह रहे हैं कि पहले पुरानी कमियों को सुधारें। आपकी प्रोफेशनल इमेज इस बात पर निर्भर करेगी कि आप आज तनाव को कैसे संभालते हैं। आज नई शुरुआत के बजाय अपनी रणनीति को बेहतर बनाने पर ध्यान दें। आर्थिक स्थिति में वक्री गुरु के प्रभाव से धन लाभ में देरी हो सकती है। आज नया निवेश करने के बजाय पुराने निवेशों की जांच करें। संयुक्त खातों में कोई गलती मिल सकती है जिसे सुधारना जरूरी है। दिखावे के लिए महंगी चीजें खरीदने से बचें।

कन्या राशि आज "सुधार" का समय है। आप आगे बढ़ना चाहते हैं, लेकिन सितारे कह रहे हैं कि पहले पुराने काम की कमियां दूर करें। ऑफिस में किसी से बहस न करें; आपकी खासियत दूसरों की गलतियां पकड़ने और सिस्टम को बेहतर बनाने में दिखेगी। आर्थिक रूप से वक्री गुरु का संकेत है कि तरक्की या इंक्रीमेंट में थोड़ी देरी हो सकती है। आज कोई बड़ा निवेश न करें और न ही कोई महंगा इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदें। पुराने हिसाब-किताब को व्यवस्थित करने और टैक्स या सेविंग्स की प्लानिंग करने के लिए आज का दिन शुभ है।

तुला राशि आज "नया" करने के बजाय "पुराना" सुधारने का दिन है। आपके पास कई विचार होंगे, लेकिन एक काम को अच्छे से पूरा करना ज्यादा जरूरी है। प्रोफेशनल नेटवर्क में आपकी छवि बदल रही है, इसलिए अपनी गरिमा बनाए रखें। आर्थिक रूप से ग्रहण के कारण आय के स्रोतों में अचानक बदलाव आ सकता है। वक्री गुरु की सलाह है कि आज किसी दोस्त को उधार न दें। भविष्य के खर्चों की प्लानिंग करने के लिए आज का दिन अच्छा है; आपको लगेगा कि लाइफस्टाइल को बेहतर बनाने के लिए बजट में बदलाव जरूरी है।

वृश्चिक राशि आज "आर या पार" वाली स्थिति बन सकती है। कोई पुराना प्रोजेक्ट खत्म हो सकता है, जो भविष्य के लिए अच्छा है। ऑफिस की पॉलिटिक्स से दूर रहें और अपनी प्लानिंग को गुप्त रखें। आर्थिक स्थिति में वक्री गुरु का संकेत है कि लोन या बीमा के ब्याज में देरी हो सकती है। आज न तो किसी को उधार दें और न ही लें। पुराने कर्ज चुकाने के लिए योजना बनाने का यह सही समय है। घर की सजावट या खूबसूरती की चीजों पर आज फिजूलखर्ची न करें और बजट का ध्यान रखें।

धनु राशि आज आप कुछ नया शुरू करना चाहते हैं, लेकिन सितारे कह रहे हैं कि पहले अपनी रणनीति को पक्का करें। तकनीकी दिक्कतों से परेशान न हों, अपना ध्यान बड़े लक्ष्य पर रखें। आपकी "ग्लोबल सोच" आज आपकी ताकत बनेगी। आर्थिक रूप से भाग्यस्थान का ग्रहण शिक्षा या कानूनी कामों पर खर्च करवा सकता है। वक्री गुरु की सलाह है कि आज किसी नए बिजनेस पार्टनरशिप पर साइन न करें। पुराने निवेशों को दोबारा जांचने या फंसा हुआ पैसा वापस पाने की कोशिश करने के लिए आज का दिन शुभ है।

मकर राशि आज आप "पर्दे के पीछे" रहकर काम करना पसंद करेंगे। आपकी असल ताकत मुश्किल काम को संभालने और संसाधनों का सही प्रबंधन करने में दिखेगी। आज नाम के लिए भागने के बजाय अपनी नींव मजबूत करें।

आर्थिक रूप से आज का दिन "संभलकर" चलने का है। वक्री गुरु किसी भी जोखिम से बचने की सलाह दे रहे हैं। जॉइंट अकाउंट या टैक्स के कागजों में कोई पुरानी गलती मिल सकती है जिसे सुधारना जरूरी है। बचत की योजना के लिए दिन अच्छा है, लेकिन निवेश का अंतिम फैसला कुछ दिनों बाद लें।

कुंभ राशि आज आप लीडर बनना चाहते हैं, लेकिन ग्रहण कह रहा है कि बिना टीम के आप आगे नहीं बढ़ पाएंगे। नई शुरुआत करने के बजाय अपनी "पर्सनल ब्रांडिंग" सुधारने पर काम करें। आर्थिक स्थिति में शुक्र और शनि की युति फिजूलखर्ची रोकने पर मजबूर करेगी। आज दिखावे के लिए नए टिप्स या टेक्नीक पर पैसे खर्च न करें। वक्री गुरु का संकेत है कि पुराने निवेशों को दोबारा देखने से लाभ हो सकता है। आज बजट बनाकर चलना ही सबसे बड़ी समझदारी होगी।

मीन राशि आज आप "पर्दे के पीछे" रहकर काम करना पसंद करेंगे। भले ही आपको तुरंत वाहवाही न मिले, लेकिन आपकी मेहनत नींव को मजबूत करेगी। ऑफिस की गपशप से दूर रहें और सिस्टम ठीक करने पर ध्यान दें। आर्थिक स्थिति में वक्री गुरु का संकेत है कि आज घर या जमीन-जायदाद से जुड़ा कोई बड़ा फैसला न लें। नए खर्च करने के बजाय पुराने बिलों को चुकाने पर ध्यान दें। लाइफस्टाइल में किसी "छिपे हुए खर्च" का पता लगाकर उसे रोकने की कोशिश करें, इससे भविष्य में बचत होगी।

होलिका दहन का धुंआ भी देता है संकेत, भविष्य में क्या होने वाला है

ज्योतिष शास्त्र में मेदनीय ज्योतिष के अन्तर्गत होलिका जलने के मुहूर्त से लेकर होलिका दहन के समय तथा होलिका जलने के बाद होली की अग्नि से उत्पन्न होने वाले धुएं से भी शुभाशुभ विचार करने की प्राचीन परम्परा है। होलिका दहन के समय यदि होलिका से उठने वाला धुंआ अथवा होली की अग्नि की लपटें पूर्व की ओर जाए यानि कि होली पर पूर्व दिशा की ओर हवा चले तो संहिता ग्रंथों के अनुसार यह समझना चाहिए कि राजा एवं प्रजा, दोनों के लिए उस वर्ष की होली सुखमय रहेगी यानि कि पूरे राज्य में सुख, सम्पन्नता का वास होगा। होलिका दहन के समय यदि होलिका से उठने वाला धुंआ दक्षिण दिशा की ओर जाने लगे यानि कि होली पर दक्षिण की ओर होलिका दहन के समय हवा चल रही हो, तो इस शकुन संकेत से विद्वान ज्योतिषाचार्यों द्वारा यह अभिप्राय निकाला जाता है कि ऐसी परिस्थिति में राज्य की सत्ता भंग और दुर्भिक्ष की सम्भावनाऐं बढ़ जाती हैं। होलिका दहन

के समय यदि होलिका से उठने वाला धुंआ एवं अग्नि की लपटें पश्चिम की ओर जाने लगें यानि कि होलिका दहन के समय पश्चिम दिशा की ओर हवा चले तो इसे अच्छा माना जाता है, इसके कारण आम जनमानस में सौहार्द की भावना विकसित होती है, साथ ही देश की आर्थिक व्यवस्था मजबूत होती है। होलिका दहन के समय यदि होलिका से उठने वाला धुंआ उत्तर दिशा की ओर जाने लगे यानि कि होली पर उत्तर की ओर होलिका दहन के समय हवा चल रही हो, तो इस शकुन संकेत से विद्वान ज्योतिषाचार्यों द्वारा यह अभिप्राय निकाला जाता है कि ऐसी परिस्थिति में फसल की पैदावार अच्छी होती है और धान्य की वृद्धि होती है। होलिका दहन के समय होलिका की अग्नि अथवा होलिका का धुंआ यदि पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण दिशा की ओर न जाकर आकाश की तरफ सीधा जाए तो यह संकेत उस देश के राजा को शोक अर्थात् सत्ता परिवर्तन का प्रबल योग बनाता है।

संगठन मजबूत,नेतृत्व संतुलित और विकास तय

उमा भारती का आक्रामक अंदाज,प्रदेश राजनीति पर दिए बड़े संकेत

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

।मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने एक बार फिर अपने स्पष्ट और आक्रामक राजनीतिक अंदाज में भारतीय जनता पार्टी के संगठन और प्रदेश सरकार को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की कार्यशैली की खुलकर सराहना करते हुए कहा कि उनका शांत, संतुलित और अनुभवी नेतृत्व संगठन को नई मजबूती और स्पष्ट दिशा दे रहा है।नागपुर में आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन से भोपाल लौटते समय बैतूल जिले के शाहपुर स्थित वन विभाग विश्राम गृह में अल्प प्रवास के दौरान पत्रकारों से चर्चा करते हुए उमा भारती ने कहा कि खंडेलवाल का स्वभाव सौम्य होने के साथ-साथ संगठनात्मक अनुभव से परिपूर्ण है,जिसका सीधा लाभ पार्टी को मिल रहा है। उन्होंने संकेतात्मक अंदाज में कहा कि आने वाले समय में प्रदेश में निगमों और मंडलों से जुड़ी महत्वपूर्ण नियुक्तियों की घोषणाएं हो सकती हैं और यह निर्णय प्रदेशहित को ध्यान में रखकर लिए जाएंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रदेश की मौजूदा सरकार के कार्यों पर भी सकारात्मक टिप्पणी करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार विकास और सुशासन की दिशा में प्रभावी कार्य कर रही है।उन्होंने विश्वास जताया कि प्रदेश में विकास,सामाजिक सौहार्द और आपसी प्रेम का वातावरण लगातार मजबूत होता जाएगा।अपने प्रवास के दौरान उमा भारती ने बैतूल जिले के प्राकृतिक सौंदर्य की विशेष सराहना करते हुए कहा कि सतपुड़ा अंचल की वादियां,घने जंगल और शांत वातावरण उन्हें हमेशा आकर्षित करते हैं।उन्होंने कहा कि बैतूल से उनका आत्मिक जुड़ाव है और यहां आकर उन्हें विशेष सुकून का अनुभव होता है।विश्राम गृह में ठहराव के दौरान उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों से क्षेत्रीय वन प्रबंधन, संरक्षण गतिविधियों और स्थानीय व्यवस्थाओं की विस्तार से जानकारी ली तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को और मजबूत करने पर जोर दिया।उमा भारती ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि प्रदेश में संगठनात्मक मजबूती और विकास—दोनों मोर्चों पर सकारात्मक प्रयास जारी हैं, जो मध्यप्रदेश को समग्र प्रगति की दिशा में आगे ले जाएंगे।

समर्थन धर्म,संस्कृति और विज्ञान के संगम पर गूंजेगी राम भक्ति

सलैया में 30 मार्च से 9 दिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा का भव्य आयोजन

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

धर्म,संस्कृति और वैज्ञानिक जीवन मूल्यों के समन्वय के उद्देश्य से ग्राम पंचायत सलैया में 30 मार्च से 7 अप्रैल तक आयोजित होने वाली नव दिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा एवं यज्ञ को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं।आयोजन को भव्य एवं सुव्यवस्थित स्वरूप देने के लिए सोमवार रात ग्राम पंचायत सलैया के बस स्टॉप स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर प्रांगण में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई,जिसमें आयोजन की रूपरेखा, व्यवस्थाएं एवं जन सहभागिता पर विस्तृत चर्चा की गई।बैठक में बताया गया कि बैकुंठ धाम आश्रम के संस्थापक सीताराम दादा जी के सान्निध्य में सलैया ग्राम में यह 253 वां यज्ञ आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजन केवल आस्था का विषय नहीं बल्कि समाज को संस्कार, अनुशासन और सकारात्मक ऊर्जा देने का माध्यम भी होते हैं। जनसहयोग से इस आयोजन को ऐतिहासिक स्वरूप दिया जा सकता है। बैठक के दौरान आयोजन को सफल बनाने के लिए विभिन्न समितियों के गठन पर विचार-विमर्श किया गया। नौ दिनों तक प्रतिदिन भंडारे के आयोजन,यज्ञ सामग्री की व्यवस्था तथा व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाने का निर्णय लिया गया।शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में वाहन के माध्यम से प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक श्रद्धालुओं को जोड़ने की योजना भी बनाई गई।यज्ञशाला निर्माण कार्य अंतिम चरण में बताया गया तथा आयोजन को जिला स्तर पर पहचान दिलाने के लिए स्थानीय एवं बाहरी श्रद्धालुओं से सहयोग की अपील की गई। यज्ञशाला में 11 यजमानों को बैठाने पर चर्चा हुई,जिसमें पंचमुखी हनुमान मंदिर के संचालक एकराज यादव द्वारा अलग-अलग श्रद्धालुओं के नामों का चयन किया गया। साथ ही यज्ञ स्थल पर प्रतिदिन भंडारे की व्यवस्था वाहन पार्किंन की व्यवस्था किसकी स्थान पर की जा सकती है इसको लेकर भी विस्तार पूर्वक चर्चा की गई।बैठक में प्रमुख रूप से बैकुंठ धाम आश्रम के संस्थापक सीताराम दादा जी,महंत संगीत दास,डॉ महेंद्र चौरसिया,पंडित पिंटू जोशी, जगदीश यादव,श्याम यादव,केशव मौर्य,कन्हैया यादव,मोहन मौर्य,रितेश खाकरे,पप्पू रावत,अशोक सराठे,मुन्ना यादव,हुकुमचंद साहू, फूलचंद यादव,हेमराज सराठे,कृष्णा पटेल,अंगद यादव,एकराज यादव,दिलीप सराठे,शिव यादव,कृष्ण यादव, प्रमोद गुप्ता,संतलाल यादव,ओम साहू,गोविंद साहू समेत बड़ी संख्या में समिति सदस्य एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। बैठक में सभी उपस्थितजनों ने 30 मार्च से 7 अप्रैल तक आयोजित होने वाले इस नव दिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा एवं यज्ञ को सफल, भव्य और यादगार बनाने का संकल्प लिया।

वेतन दो या संघर्ष तेज होगा पाथाखेड़ा में ठेका मजदूरों का अनिश्चितकालीन धरना उग्र,होली से पहले भुगतान की चेतावनी

दैनिक कारखाने का सफर। पाथाखेड़ा

वेस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) पाथाखेड़ा की भूमिगत खदानों में कार्यरत ठेका मजदूरों का महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष 26 फरवरी से जारी अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचता नजर आ रहा है।सोमवार को भी ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में मजदूर एकत्रित होकर प्रबंधन और ठेकेदारों की कार्यप्रणाली के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन करते रहे। पाथाखेड़ा क्षेत्र की तीनों खदानों से उठी मजदूरों की आवाज अब व्यापक आंदोलन का रूप ले चुकी है। मजदूरों के तेवरों में किसी भी प्रकार की नरमी के संकेत नहीं दिखे।जीएम कार्यालय के मुख्य द्वार पर हुए जोरदार प्रदर्शन ने आंदोलन को और अधिक तेज और संगठित बना दिया।प्रदर्शन के दौरान सात श्रमिकों एवं दो महिला मजदूरों का प्रतिनिधिमंडल प्रबंधन से चर्चा के लिए पहुंचा।महिला श्रमिकों ने बकाया वेतन और कार्यस्थल पर कथित उत्पीड़न की आपबीती सुनाते हुए अधिकारियों को भावुक कर दिया।उनकी पीड़ा ने आंदोलन को संवेदनशीलता के साथ-साथ तीखापन भी दे दिया।आंदोलन को क्षेत्रभर से समर्थन मिल रहा है। बड़ी संख्या में मजदूर धरना स्थल पहुंचकर एकजुटता का प्रदर्शन कर रहे हैं। इस बीच प्रबंधन की ओर से एपीएम ललित प्रसाद तिर्की ने ठेकेदारों को सख्त निर्देश जारी करते हुए बकाया मजदूरी शीघ्र मजदूरों के खातों में जमा करने के आदेश दिए हैं। ई-मेल एवं लिखित पत्र के माध्यम से स्पष्ट किया गया कि निर्धारित अंतिम तिथि तक सभी मजदूरों का पूर्ण भुगतान सुनिश्चित किया जाए।

हालांकि आंदोलनकारी नेताओं ने साफ चेतावनी दी है कि यदि होली पर्व से पहले मजदूरी का पूरा भुगतान नहीं हुआ तो आंदोलन उग्र रूप ले सकता है। आक्रोशित मजदूरों में से एक ने यहां तक कह दिया कि वेतन न मिलने पर वह जीएम कार्यालय गेट पर आत्महत्या जैसे कदम उठाने को मजबूर होगा।

नेताओं ने घोषणा की है कि न्याय नहीं मिलने की स्थिति में होली के बाद मजदूर अपने परिवारों सहित जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर सामूहिक शिकायत दर्ज करेंगे।वहीं कई मजदूरों ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 181 पर भी शिकायत दर्ज कर त्वरित समाधान की मांग की है।फिलहाल पाथाखेड़ा क्षेत्र में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है और मजदूरों का आक्रोश थमता नजर नहीं आ रहा। आंदोलन आगे किस दिशा में जाएगा,इस पर प्रशासन और प्रबंधन की अगली कार्रवाई निर्णायक साबित होगी।

बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन विस्तार,कार्यकर्ता सक्रियता बढ़ाना

36 वार्डों में संगठन विस्तार का संकल्प सारनी कांग्रेस ने बनाई रणनीति,हर वार्ड में 25 कार्यकर्ता जोड़ने का लक्ष्य

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त होने के बाद से ही नगर पालिका परिषद सारनी में कांग्रेस संगठन को मजबूत करने की दिशा में लगातार सक्रियता दिखाई दे रही है। इसी क्रम में सोमवार को शोभापुर कॉलोनी स्थित मंडलम अध्यक्ष रामाश्रय वर्मा के निवास पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि नगर पालिका परिषद सारनी के सभी 36 वार्डों में संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत किया जाएगा। इसके तहत प्रत्येक वार्ड में एक जिम्मेदार पदाधिकारी नियुक्त कर कम से कम 25 सक्रिय कार्यकर्ताओं की टीम तैयार की जाएगी,जिससे संगठनात्मक ढांचा और अधिक सशक्त बन सके।

जिला कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर आयोजित इस बैठक का नेतृत्व सारनी कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बटेश्वर भारती ने किया। बैठक में पार्षदगण एवं मंडलम अध्यक्षों के साथ वार्ड कमेटियों के गठन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।ब्लॉक अध्यक्ष ने निर्देश दिए कि वार्ड क्रमांक एक से 36 तक सभी वार्डों में 10 मार्च तक 25-25 कार्यकर्ताओं की कमेटी गठित कर सूची जिला कांग्रेस कमेटी बैतूल को सौंप दी जाए,ताकि संगठन को बूथ स्तर तक मजबूती मिल सके।बैठक में प्रमुख रूप से श्रीमती सरिता, सुनील भलावी,किरण झरबड़े, मनोज ठाकुर,राजकुमारी वर्मा,वसीम खान,रामाश्रय वर्मा,मनी सर,प्रवीण पाल, मोनू रिजवी,पिंटू मालवीय, विष्णु भारती सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन विस्तार,कार्यकर्ता सक्रियता बढ़ाना और आगामी राजनीतिक गतिविधियों के लिए मजबूत आधार तैयार करना रहा।

हुड़दंग के दौर में गिरती पत्रकारिता बनी फ़िक्र और फ़िक्र-ए-तहक़ीक़ का विषय

होली की अग्नि में जलें बुराइयाँ, लेखनी में आए तहज़ीब

सोशल मीडिया के शोर में खोती पत्रकारिता की साख मिशन से व्यवसाय और अब अव्यवस्था तक का सफ़र

प्रमोद गुप्ता। सारनी

होली केवल रंगों और उल्लास का पर्व नहीं,बल्कि आत्ममंथन,आत्मशुद्धि और बुराइयों को अग्नि को समर्पित करने की सनातन परंपरा का प्रतीक भी है। होली दहन की पावन अग्नि हमें यह संदेश देती है कि मनुष्य अपनी कुरीतियों, कटुता और अहंकार को तिलांजलि देकर नवचेतना का स्वागत करे। लेकिन विडंबना यह है कि जिस समय समाज बुराइयों को जलाने की बात करता है, उसी समय पत्रकारिता जैसे गंभीर और गरिमामय क्षेत्र में गिरते स्तर की चर्चा आज चिंता और शोध दोनों का विषय बन चुकी है।एक दौर था जब पत्रकारिता केवल पेशा नहीं,बल्कि मिशन हुआ करती थी।अख़बार की स्याही में समाज की पीड़ा,जनता की आवाज़ और व्यवस्था को आईना दिखाने का जज़्बा शामिल रहता था। प्रिंट मीडिया में प्रकाशित समाचार शासन-प्रशासन तक पहुँचते ही समाधान की राह खोल देते थे।उस समय पत्रकारिता में ज़िम्मेदारी,तहज़ीब और ज़बान की शालीनता सबसे बड़ी पूँजी मानी जाती थी।

मगर बदलते दौर में तस्वीर कुछ और ही नज़र आती है। सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति को लोकतांत्रिक तो बनाया, लेकिन इसके साथ पत्रकारिता का स्तर भी असंतुलित होता दिखाई दे रहा है।आज

ऐसे अनेक लोग, जिन्हें लेखन की बुनियादी समझ तक नहीं,स्वयं को लेखक,साहित्यकार और वरिष्ठ पत्रकार घोषित कर रहे हैं।भाषा की मर्यादा टूट रही है,शब्दों की गरिमा कम होती जा रही है और संवाद की जगह शोर ने ले ली है।होली के हुड़दंग के बीच जिस तरह मर्यादाएँ अक्सर धुंधली हो जाती हैं,उसी प्रकार पत्रकारिता में भी अनुशासन और नैतिकता का क्षरण साफ़ दिखाई देता है।यह स्थिति केवल चिंता का विषय नहीं,बल्कि गंभीर अध्ययन और शोध का मुद्दा बन चुकी है कि आखिर पत्रकारिता की विश्वसनीयता लगातार क्यों कम हो रही है।भारत में समाचार पत्रों और पत्रिकाओं का पंजीयन प्रेस रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया के माध्यम से,सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अधीन प्रेस सेवा पोर्टल द्वारा विधिवत किया जाता है। इसके बावजूद बिना पंजीयन के सोशल मीडिया और व्हाट्सएप पर ई-पेपर के नाम से प्रकाशन की बाढ़ आ गई है। इससे न केवल पत्रकारिता की मूल संरचना प्रभावित हो रही है,बल्कि प्रतिष्ठित संस्थानों और अनुभवी पत्रकारों की साख भी धूमिल होती जा रही है। कुछ स्थानों पर पत्रकारिता को अवैध उगाही,व्यक्तिगत द्वेष और सरकारी अधिकारियों-कर्मचारियों को बदनाम करने के औज़ार के रूप में इस्तेमाल किया जाना भी अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण प्रवृत्ति बनती जा रही है। ओछी मानसिकता के लोग मीडिया की आड़ में आर्थिक और मानसिक शोषण तक करने लगे हैं,जिससे पत्रकारिता की छवि समाज में संदेह और हीन भावना का शिकार हो रही है।यदि यही हालात एक दशक तक जारी रहे,तो आशंका है कि गंभीर पत्रकारिता केवल व्हाट्सएप विश्वविद्यालय तक सीमित होकर रह जाएगी जहाँ सत्य से अधिक सनसनी और जिम्मेदारी से अधिक लोकप्रियता को महत्व मिलेगा।आज आवश्यकता इस बात की है कि केंद्र एवं राज्य सरकार,सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और मीडिया संस्थान मिलकर पत्रकारिता के लिए स्पष्ट आचार संहिता और प्रभावी नियम प्रणाली तैयार करें, ताकि यह पवित्र पेशा शीला से ज्यादा जवान और मुन्नी से ज्यादा बदनाम होने की उपमा से बच सके और अपनी असली गरिमा पुनः प्राप्त कर सके।होली दहन की अग्नि हमें यही पैग़ाम देती है,बुराइयाँ जलें,विचार शुद्ध हों और लेखनी में फिर से सच,संवेदना और अदब की रोशनी लौटे।

राज्यसभा होली-ईद पर्व को लेकर सारनी थाना परिसर में शांति समिति की बैठक सम्पन्न, भाईचारे व सुरक्षा व्यवस्था पर बनी सहमति

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

आगामी होली,धुरेंडी एवं ईद पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने को लेकर सोमवार की सायंकाल थाना सारनी परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसडीओपी प्रियंका करचाम एवं सारनी नायब तहसीलदार संतोष पथोंरिया ने की।बैठक में नगर के जनप्रतिनिधि, विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारी,सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा मुस्लिम समाज सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।उपस्थित नागरिकों ने आगामी त्योहारों के मद्देनज़र सुरक्षा व्यवस्था,यातायात प्रबंधन एवं संवेदनशील क्षेत्रों को लेकर अपने सुझाव अधिकारियों के समक्ष रखे। एसडीओपी प्रियंका करचाम एवं नायब तहसीलदार संतोष पथोंरिया ने नागरिकों से प्राप्त सुझावों के आधार पर अधीनस्थ पुलिस एवं प्रशासनिक अमले को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में थाना प्रभारी सारनी द्वारा संभावित संवेदनशील स्थानों एवं पर्वों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विस्तृत चर्चा की गई तथा सभी समुदायों से आपसी भाईचारे के साथ त्योहार मनाने की अपील की गई। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष गोलू राजपूत ने शॉपिंग सेंटर में लंबे समय से बंद पड़े पुलिस सहायता केंद्र को पुनः शुरू कर वहां नियमित पुलिस जवानों की तैनाती किए जाने की मांग उठाई। साथ ही उन्होंने होली के दौरान अधिक भीड़ वाले स्थानों को चिन्हित कर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की आवश्यकता पर जोर दिया। मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों द्वारा बगडोना, शोभापुर,पाथाखेड़ा एवं सारनी क्षेत्र की मस्जिदों, ईदगाह एवं कब्रिस्तानों में ईद की नमाज व्यवस्था को लेकर प्रशासन से चर्चा की गई, जिस पर आवश्यक सहयोग का आश्वासन दिया गया। बैठक का समापन सौहार्द, आपसी समन्वय एवं शांति बनाए रखने के संकल्प के साथ हुआ।बैठक में प्रमुख रूप से विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारी, सामाजिक संगठन प्रतिनिधि एवं नगर के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मधुवर मोहन द्विवेदी द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस, 11 प्रेस काम्पलेक्स, एमपी नगर जोन-1 भोपाल 462023 म.प्र. से मुद्रित एवं 201 ब्लाक ई, सागर प्रीमियम टावर जेके हॉस्पिटल, कोलार रोड, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित।
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) संपादक- सुनील यादव, समाचार संपादक- राहुल कौशिक। फोन नं. 0755-4262585-9425006706, मो. नंबर 9826697203, 9926288166, RNI.No. MPHIN/2020/78949